भाद्रपद शुक्ल पक्ष-13, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 86 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
16 सितम्बर 2024 सोमवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
19 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

इलेक्ट्रिक ट्रक में लगी आग, बुझाने में खर्च हुआ दो लाख लीटर पानी!

नई दिल्ली। एक सेमी इलेक्ट्रिक ट्रक में आग लगने के बाद उसे बुझाने के लिए 50 हजार गैलन यानि करीब 1.90 लाख लीटर से ज्यादा पानी उपयोग करना पड़ा।

यह घटना टेस्ला कंपनी के ट्रक की है। घटना कैलिफोर्निया के इंटरस्टेट 80 पर लेक ताहो के पश्चिम में हुई। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रक मोड़ पर सड़क से उतर गया और एक पेड़ से टकरा गया, फिर ढलान से नीचे जाकर कई पेड़ों से जा टकराया। चालक को ज्यादा चोट नहीं आई। पर आग बुझाने के लिए अग्निशमन कर्मियों ने एहतियात के तौर पर पानी के अलावा विमान का भी सहारा लिया जिसके जरिए ऊपर से अग्निरोधी पदार्थ को आग के ऊपर गिराया गया। यह ट्रक बैटरी को फैक्ट्री में ले जा रहा था। आग के दौरान बैटरी का तापमान 1,000 फारेनहाइट (540 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच गया।

दो महीने पहले भी चली थी ट्रंप पर गोलियां

गोल्फ कोर्स में ट्रंप पर फिर जानलेवा हमला, झाड़ियों के पीछे से चली गोलियां, भाग रहे हमलावर को दबोचा

फ्लोरिडा, एजेंसी।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर एक बार फिर से जानलेवा हमला हुआ है। ठीक 64 दिन पहले भी उन पर हमला हुआ था और गोली कान को छूते हुए निकली थी। ट्रंप जल्द होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में फिर उम्मीदवार हैं। आज ट्रंप फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी के इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में खेल रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने जानकारी दी है कि ट्रम्प सुरक्षित हैं। घटना के जांच की जिम्मेदारी एफबीआई को दी गई है। उसने कहा कि वे इस घटना को हत्या की कोशिश के तौर पर देख रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध के पास एक नली वाली एके-47 जैसी राइफल और एक गोप्रो कैमरा था। बताया जाता है कि जब ट्रम्प 5वें होल के पास खेल रहे थे, तभी सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स को झाड़ियों में एक राइफल की नली दिखाई दी, इसके बाद एजेंट ने उस पर गोली चलाई। तब ट्रम्प और हमलावर की बीच की दूरी करीब 300 से 500 मीटर के बीच थी। सीक्रेट सर्विस के मुताबिक अभी तक पता नहीं चल पाया है कि ट्रंप पर गोली चली थी या नहीं। संदिग्ध की पहचान 58 साल के रयान रॉथ के तौर पर हुई है।

दो महीने पहले भी बाल बाल बचे थे

उल्लेखनीय है कि दो महीने पहले भी अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया के बटलर शहर में चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प पर फायरिंग हुई थी, इसमें एक गोली उनके कान को छूते हुए निकल गई थी। पाम बीच काउंटी के शेरिफ रिक ब्रैडशॉ के मुताबिक एजेंट्स के गोली चलाने के बाद संदिग्ध झाड़ियों से निकला और अपनी काली रंग की एसयूवी कार से भागा। तभी एक चश्मदीद ने नंबर प्लेट के साथ गाड़ी की तस्वीर खींच ली। बाद में इस कार को क्लब के उत्तरी हिस्से मार्टिन काउंटी में घेर कर रोक लिया गया।

हिस्ट्रीशीटर है हमलावर रायन वेस्ली

संदिग्ध हमलावर की पहचान रायन वेस्ली राउथ के तौर पर की गई है. वह फिलहाल हवाई में रहता है और उस पर दर्जनभर से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वह मूल रूप से नॉर्थ कैरोलिना का रहने वाला है, जहां उसे ड्रग्स रखने, बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने और अभी अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया जा चुका है. उसे मार्टिन काउंटी में ट्रैफिक सिग्नल से गिरफ्तार किया गया।

ट्रम्प बोले- कभी हार नहीं मानूंगा

इस घटना के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने समर्थकों को संदेश जारी करते हुए कहा, 'मैं सुरक्षित हूं। मैंने अपने आसपास गोलियों की आवाज सुनी थी, लेकिन इससे पहले घटना को लेकर कोई भी अफवाह फैले, मैं यह साफ करना चाहता हूं कि मैं ठीक हूं मुझे कोई भी चुनाव प्रचार से पीछे नहीं हटा पाएगा। मैं कभी सरेंडर नहीं करूंगा।' प्रेसिडेंट जो बाइडेन और वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस ने इस बात पर राहत जताई है कि ट्रंप सुरक्षित हैं।

रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एक्सपो की शुरुआत, सीएम यादव भी शामिल

मोदी ने सौ दिन का ब्यौरा दिया तीसरे टर्म में नई उड़ान का भरोसा

नई दिल्ली /गांधी नगरी, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गांधीनगर में चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो की शुरूआत की। मोदी ने इस दौरान कहा, आप सभी जानते हैं कि भारत की जनता ने 60 साल बाद लगातार किसी सरकार को तीसरा टर्म दिया है भारतवासियों को भरोसा है कि उनकी आकांक्षाओं को पिछले 10 साल में जो पंख लगे हैं, वो इस तीसरे टर्म में एक नई उड़ान भरेंगे। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी इसमें शामिल हैं। मुख्यमंत्री एमपी में क्लीन और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों को साझा करेंगे। मप्र में फरवरी में होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट क लिहाज से मप्र के लिये गुजरात की यह समिट काफी महत्वपूर्ण है। वे आज यहां निवेशकों से भी चर्चा कर रहे हैं। इसके बाद निवेशकों से मिलने के लिए 20 सितंबर को मुख्यमंत्री यादव कोलकाता जाएंगे। मुंबई, कोयम्बटूर और बेंगलुरु में उद्योगपतियों के साथ हुए इंटरएक्टिव सत्रों में हुई चर्चा से उद्योगपति मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित हुए हैं। ज्ञात हो कि वर्ष 2025 को 'उद्योग वर्ष' घोषित किया गया है। 7-8 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की जाएगी।

क्या है री-इन्वेस्ट समिट?

दुनिया को भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता को प्रदर्शित करने और बहुपक्षीय वार्ता शुरू करके क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है। यह अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक निवेशों, डेवलपरों, निर्माताओं और नवोन्मेषकों (इनोवेटर्स) को एक साथ लाने का मंच है। पहला री-इन्वेस्ट इंडिया 2015 में हुआ था। री-इन्वेस्ट 2024 का केंद्रीय विषय 'मिशन 500 गीगावॉट' है।

पॉलिसी बना रही केंद्र सरकार-मोदी

समिट को संबोधित करते पीएम मोदी ने कहा कि भारत को साल 2047 तक विकसित देश बनाना है। यह एक्सपो इसी एक्शन प्लान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमारे पहले 100 दिनों में हमारी प्रायोरिटी, स्पीड और स्केल का भी रिफलेक्शन दिखाई देता है। हमने हर उस सेक्टर और फैक्टर को एड्रेस किया है जो भारत के तेज विकास के लिए जरूरी है। सरकार ने ग्रीन एनर्जी से जुड़े भी कई फैसले लिए। अब भारत 31 हजार मेगावाट हाइड्रोपावर जनरेट करने के लिए भी काम कर रहा है। इसके लिए 12 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा अप्रूव किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि देश में रिन्यूएबल एनर्जी की मांग बढ़ रही है। सरकार इसके लिए पॉलिसी बना रही है और पूरी तरह सहयोग कर रही है।

नए सीएम के लिए मंथन, गहलोत पर दांव लगाने की सुगबुगाहट

हरियाण चुनाव के समीकरण साधने की तैयारी में आप

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल के पद छोडने की घोषणा के बाद दिल्ली में रजानीतिक सरगर्मी तेज है। केजरीवाल के निवास पर मनीष सिसौदिया, राघव चढ्डा समेत कई नेता इस पर मंथन के लिये जुट रहे हैं। सिसौदिया को सीएम बनाने की संभावना से खुद केजरीवाल ही कल इंकार कर चुके हैं। दरअसल दिल्ली में यह सवाल दस साल बाद सामने आया है। माना जा रहा है कि केजरीवाल अपने विधायक कैलाश गहलोत पर दाव लगा सकते हैं। यह दांव हरियाणा चुनाव के लिये होगा क्योंकि नजफगढ़ से जीते गहलोत जाट परिवार से हैं तथा हरियाणा में जाट भाजपा से नाराज चल रहे हैं तथा कांग्रेस अपने जाट नेताओं को आगे रखकर बढ रही है। किसानों और पहलवानों का आंदोलन जाटों का ही खड़ा किया है। एक वजह यह भी बताई जा रही है कि गहलोत पार्टी के लिए फंड इकट्ठा करने का काम करते रहे हैं। हरियाणा के बाद दिल्ली में भी चुनाव होंगे लिहाजा गहलोत इस कसौटी पर भी खरे उतर सकते हैं। दिल्ली के एलजी के साथ भी उनके रिश्ते बेहरत माने जाते हैं।

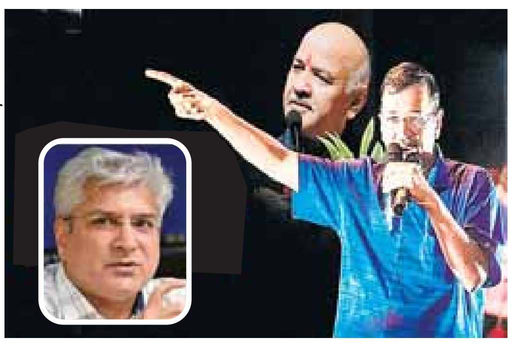

मालगाड़ी पर गिरा पहाड़, इंजन पटरी से उतरा, कई ट्रेनें थमीं

सोनभद्र, एजेंसी।

उत्तर मध्य रेलवे के चोपन-चुनार रेलखंड पर चुर्क रेलवे स्टेशन के समीप आज भारी बारिश से भूस्खलन के चलते पहाड़ का मलबा रेलवे ट्रैक पर आ गिरा। इससे चोपन की ओर जा रही मालगाडी का इंजन पटरी से उतर गया। घटना तड़के की है।रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए व ट्रैक से मलबा हटाने और मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। घटना से ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ। चोपन-चुनार रूट पर चुर्क रेलवे स्टेशन से अगोरी के बीच के रेलवे ट्रैक पहाड़ के बीच से गुजरा है। रविवार को दिन और फिर रात में हुई तेज बारिश के चलते पहाड़ का एक हिस्सा धंस गया।

मुख्तार की मौत जहर से नहीं, हार्टअटैक से: जांच रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में बंद रहे माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की बीते 28 मार्च को मेडिकल कॉलेज में मौत की मजिस्ट्रियल जांच रिपोर्ट में मौत की वजह जहर नहीं बल्कि हार्ट अटैक बताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मुख्तार अंसारी के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी हार्टअटैक की पुष्टि हुई थी।बताया गया कि प्रशासन ने मुख्तार अंसारी के परिजनों को कई नोटिस भेजे, लेकिन वो जवाब देने के लिए उपस्थित नहीं हुए थे। मुख्तार के परिजनों ने जेल प्रशासन पर स्लो पॉइजन दिए जाने का आरोप लगाया था।

मेट्रो एंकर | **सकारात्मकता बढ़ाने की उम्मीद से बस्तर ओलंपिक**

खेलों के बहाने नक्सली और पीड़ितों को आमने-सामने लाएगी सरकार

रायपुर, एजेंसी।

नक्सल प्रभावित इलाकों में लोगों को आपस में जोडने व सकारात्मकता बढाने के उदेश्य से छत्तीसगढ़ सरकार एक अनोखी पहल शुरू कर रही है। यहां 1 नवंबर से यहां बस्तर ओलंपिक का आयोजन होगा। इस आयोजन में गांवों के खेलों को सम्मिलित किया गया है। खास बात यह है कि इन खेलों में नक्सली हिंसा के शिकार और आत्मसमर्पित नक्सली भी हिस्सा लेंगे। यह सामान्य बात नहीं है क्योंकि समपिर्त नक्सलियों को पुलिस आम लोगों से दूर रखने के प्रयास में ही रहती आई है। अब ये लोग आमने-सामने भी हो सकते हैं और एक ही टीम में भी खेल सकते हैं। इससे पूर्व नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने में मदद मिलेगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का कहना है कि आयोजन बच्चों और युवाओं के लिए है। खासकर उनके लिए जो उग्रवाद से पीड़ित हैं। जो अच्छा प्रदर्शन करेंगे, उन्हें उनकी रुचि के क्षेत्र तलाशने में मदद सरकार करेगी। यह खेल ऐसे समय में हो रहे हैं जब कड़ी सुरक्षा कार्रवाइयों ने नक्सलियों को पीछे धकेल दिया है। अब दर्जनों स्कूल पूर्व नक्सली इलाकों में फिर से खुल रहे हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि ओलंपिक दो दशकों से अधिक समय से युद्ध का मैदान बने इस क्षेत्र में एक सकारात्मकता का संचार करेगा। हालांकि बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में ग्रामीण नक्सलियों के खौफ में जीते हैं। कई बार अगर उनके किसी परिजन की नक्सलियों द्वारा हत्या कर दी जाती है तो भी परिवार वाले पुलिस को सूचित करने की हिम्मत नहीं करते हैं।

युवाओं को दिशा की कोशिश

कहा जाता है कि बस्तर के युवाओं को पढ़ाई और खेलों में व्यस्त रखने से उन्हें नक्सली भर्ती के प्रया्सों से दूर रखा जा सकेगा। हाल ही में भाकपा माओवादी ने एक बुकलेट जारी की थी। इसमें उसने निरंतर सुरक्षा अभियानों के कारण कैडरों की भर्ती में आने वाली कठिनाइयों को स्वीकार किया था। बस्तर ओलंपिक आम तौर पर उस समय के आसपास होगा जब नक्सली गांवों में घूमते हैं व युवाओं को अपने साथ जोड़ने या उन्हें अपनी फोर्स में शामिल करने की कोशिश करते हैं।

ये खेल शामिल

शुरुआती योजना के अनुसार, ब्लॉक स्तर के ओलंपिक का आयोजन 1 से 15 नवंबर तक होगा। इसके बाद जिला स्तर की प्रतियोगिताएं 15 से 20 नवंबर तक और संभाग स्तर का फाइनल 8 से 30 नवंबर तक जगदलपुर में होगा। विजेताओं को नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। पटनायक ने कहा कि आत्मसमर्पित कैडर और नक्सली हिंसा के शिकार केवल संभाग स्तर पर खेलेंगे। चार उप-श्रेणियां होंगी। आईडी विस्फोटों या नक्सली हिंसा के शिकार, आत्मसमर्पित नक्सली, जूनियर और सीनियर समूह। खेलों में हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग (केवल पुरुष) और रस्साकशी (केवल महिलाएं) शामिल हैं।

फाइल फोटो

फ्लाइओवर नवंबर के पहले शुरू होना मुश्किल, मुसाफिरों की झंझटें बेहिसाब

पहले ही दो साल लेट हो चुकी है यह सौगात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

यातायात को व्यवस्थित करने की गरज से बन रहे करीब डेढ सौ करोड के जीजी फ्लाईओवर के शेष दस फीसदी काम को करना बारिश के चलते मुश्किल हो गया है। हालंकि अफसरों को यह काम काफी पहले ही पूरा कर लेना था लेकिन अब हो रही लेटलतीफी का जिम्मेदार बारिश को ठहराकर अफसर बेबसी जाहिर कर रहे हैं और दस फीसदी काम को पूरा करने के लिए अब बारिश के थमने के इंतजार में है। बताया जा रहा है कि बारिश का सिलसिला रुकने के बाद ब्रिज के बचे हुए काम पूरा होने के लिए कम से कम 20 दिन का समय चाहिए। चूंकि अभी बारिश के थमने में वक्त है लिहाजा अक्टूबर से पहले फिर से काम शुरू होना भी मुश्किल लग रहा है। चालू होने के बाद मेट्रो और मोटरकारें अगल बगल से गुजरेंगी। क्योंकि इसके समकक्ष ही मेट्रो मार्ग भी है।

गौरतलब है कि इस ब्रिज का निर्माण दिसंबर 2020 में शुरू हुआ था और इसे दिसंबर 2022 तक पूरा हो जाना था। लेकिन सबसे पहले कोरोना के कारण ब्रिज का काम रूका और उसके बाद अड़चनों का सिलसिला शुरू हो गया। यदि यह आरओबी शुरू हो जाए तो कम से कम 5 लाख आबादी को सीधा फायदा होगा। पिछले कई महीनों से गायत्री मंदिर के पास ब्रिज की ढाल (आरई वॉल) का काम रूका हुआ है। लगभग 330 मीटर की इस आरई वॉल को तैयार करने के लिए भी 20 दिन चाहिए। इसके अलावा ब्रिज पर बनी रोड पर डामर का फाइनल कोट होना है। गणेश मंदिर से सावरकर सेतु तक जोड़ने के लिए 70 मीटर की सर्विस रोड बननी है। यह 10 दिन में बनेगी। लेकिन तीनों काम एक साथ चलेंगे, इसलिए 20 दिन में ब्रिज का निर्माण पूरा हो सकता है। पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों के अनुसार डामरीकरण और आरई वॉल जैसे काम बारिश बंद होने के बाद ही हो सकते हैं।

धीमी गति से चल रहा काम

पिछले दिनों में जब-जब भी बारिश रुकी और काम शुरू करने की कोशिश की तो उसके एक-दो दिन बाद ही बारिश शुरू हो गई। गणेश मंदिर से सावरकर सेतु तक की सड़क बनाने के लिए मेट्रो के स्टील ब्रिज निर्माण के लिए लगे स्ट्रक्चर को भी हटाना होगा। मेट्रो का काम जिस गति से चल रहा है, उससे माना जा रहा है कि यह सितंबर अंत तक ही निकल पाएगा। कुछ महीने पहले मंत्री ने भी इसका मुआयना करने का जल्द करने के निर्देश दिये थे लेकिन लोनिवि का अन्य महकमों से समन्वय ठीक नहीं बन पाने से भी काम पिछडता रहा है। कभी बिजली पोल की शिफ्टिंग के कारण काम रुका तो कभी गायत्री मंदिर की तरफ नर्मदा पाइप लाइन की शिफ्टिंग से काम रुक गया। अब मेट्रो के स्टील ब्रिज के निर्माण ने फ्लाईओवर का रास्ता रोक लिया।

बढ़ रहा है वाहनों का दबाव

जब सड़के बनी थी तो वाहनों का दबाब 3500 पीसीयू था। यह अब 15000 से ज्यादा है। बोर्ड ऑफिस चौराहा और आसपास की सड़कें केवल 3500 पीसीयू के हिसाब से डिजाइन की गई थी। नतीजा यहां दिन भर जाम लगा रहता है। फ्लाईओवर के साथ मेट्रो का काम चलने से हालात और खराब हैं। यदि यह फ्लाईओवर बन गया तो 60 फीसदी ट्रैफिक ऊपर से गुजर जाने की संभावना है।

ईद मिलादुन्नबी: परंपरागत जुलूस में अखाड़े भी शामिल

शहर में कुरआन ख्वानी, फातेहा, लंगर वितरण के आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में आज ईद मिलादुन्नबी पारंपरिक तौर पर मनाई जा रही है। शहर में जुलूस निकल रहे हैं। मंगलवारा से रिवायती जुलूस की शुरूआत होगी। जिसमें कई अखा? भी शामिल होंगे। इस दौरान अन्य अखा?ों का सम्मान किया जाएगा। जुलूस के चलते आज कई इलाकों में ट्रैफिक व्यवस्था भी बदली हुई है। ऐसे में लोगों को वैकल्पिक रास्तों से गुजरनेके लिये कहा जा रहा है। ईद मिलादुन्नबी के त्योहार की रंगत इस्लामी माह रबी-उल-अव्वल का चांद दिखने के साथ ही शुरू हो गई थी। सीरत-ए-पाक (पैगंबर की जीवनी) पर आधारित कई तकरीर और बयान के कार्यक्रम शहर में कई स्थानों पर आयोजित किए गए। इसके बाद अब ईद मिलादुन्नबी का मुख्य त्योहार मनाया जा रहा है। शहरभर में कुरआन ख्वानी, फातेहा, लंगर वितरण और जुलूस के आयोजन किए जा रहे हैं। अशोका गार्डन से भी एक जुलूस निकाला जा रहा है। जो शहर के विभिन्न रास्तों से गुजरता हुआ जुलूस जहांगीराबाद चौराहे पर एक मजलिस की शक्ल लेगा। यहां उलेमाओं के बयान के बाद देश दुनिया में अमन, चैन और शांति की दुआ की जाएंगी। निजामी ने बताया कि जुलूस मार्ग में कई स्थानों पर स्वागत मंच भी लगाए जाएंगे।

गंगा-जमुनी तहजीब का नजारा

ईद मिलादुन्नबी समारोह के संयोजक अब्दुल नफीस ने बताया, शहर में निकाला जाने वाला रिवायती जुलूस दोपहर में निकालेगा जुलूस की अगुवाई ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के सदर अहमद खुर्रम करेंगे। कार्यक्रम में विधायक आरिफ मसूद के अलावा कई उलेमा और शहर की बड़ी हस्तियां शामिल रहेंगी। इस मौके पर निकलने वाले जुलूस और अखाड़ों के दौरान कई लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें हिंदू उत्सव समिति के संतोष साहू, जयभारत बजरंग अखाड़ा के घनश्याम बाथम, तुलसीराम कुश्व, भंवर लाल प्रजापति, गोविंद कौशल आदि शामिल हैं।

19 को भी निकलेंगे जुलूस

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के दूसरे समूह ने शहर में जारी गणेशोत्सव और अनंत चतुर्दशी के त्योहार के चलते ईद मिलादुन्नबी पर निकलने वाले जुलूस की तारीख में बढ़ोतरी कर दी है। इस कमेटी ने शहर की गंगा जमुनी तहजीब को बरकरार रखने की मंशा के साथ ईद मिलादुन्नबी समारोह को दो दिन बाद मनाने का फैसला किया है।मिलादुन्नबी का परंपरागत त्यौहार आज मनाया जा रहा है तथा मेडिकल कैंप, स्वच्छता आयोजन और जरूरतमंद लोगों तक राहत पहुंचाने जैसे कई आयोजन हो रहे हैं लेकिन रिवायती जुलूस 19 सितंबर को मंगलवारा से शुरू किया जाएगा, जो छावनी, सेंट्रल लाइब्रेरी, इतवारा, इस्लामपुरा, बुधवारा, मोती मस्जिद होते हुए इमामी गेट तक जाएगा।

जिन घरों में दो बिजली मीटर, उनकी सब्सिडी बंद होगी, नोटिस किया जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल के जिन घरों में बिजली के दो मीटर लगे हुए हैं, उन्हें बिजली कंपनी ने नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। साथ ही बिजली कंपनी दो मीटर की जांच करने के लिए उपभोक्ताओं की केवाईसी शुरू कर दी है, ताकि एक घर में दो मीटर लगाकर सब्सिडी लेने वालों के मीटर कनेक्शन काटा जा सके। इस बीच, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने गैर घरेलू और औद्योगिक कनेक्शनों के लिए नया टैरिफ प्लान लागू किया है। अब समय के आधार पर बिजली की दरें तय की जाएंगी। मसलन सौरघंटों (दिन के समय) बिजली का उपयोग करने के दौरान उपभोक्ता को ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी। पीक अवधि (शाम के बाद) बिजली का उपयोग करने पर 20 प्रतिशत का अधिभार देना होगा। ऐसी स्थिति में गैर घरेलू और औद्योगिक कनेक्शनधारियों के लिए मुश्किलें हो गई है। उपभोक्ताओं की समग्र आईडी के माध्यम से केवाईसी प्रक्रिया निष्ठा एप और उपाय एप के माध्यम से की जाएगी। कंपनी ने उपभोक्ताओं को सावधान किया है कि प्रक्रिया के दौरान उनके मोबाइल नंबर समग्र पोर्टल पर पंजीकृत हों और इंटरनेट कनेक्शन मजबूत हो। इससे ओटीपी प्राप्त करने में कोई समस्या न आएगी। कमजोर कनेक्टिविटी के कारण कभी-कभी ओटीपी प्राप्त करने में देरी हो सकती है।यदि किसी उपभोक्ता को केवायसी के दौरान कोई समस्या होती है, तो वे कंपनी के टोल-फ्री नंबर या कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

स्टेशन पर यात्रियों को 10 मिनट की ड्रॉप एंड गो सुविधा शुरू

पार्किंग शुल्क यथावत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-एक की तरफ अब दस मिनट की ड्राप एंड गो सुविधा के साथ इंटीग्रेटेड पार्किंग शुरू कर दी गई है। ऐसे में एक नंबर प्लेटफार्म की ओर से आने वाले यात्रियों और उनके परिजनों को सुविधा मिलेगी। एक नंबर तरफ नई बिल्डिंग के बाहर रेलवे ने वन वे बना दिया है। गाड़िया एक तरफ से जाएगी और दूसरी तरफ से आएंगे, जिससे स्टेशन परिसर में वाहनों की भीड़ जमा न हो सके। इस सुविधा पर सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया का कहना है कि इसमें यात्रियों को करीब 10 मिनट की ड्राप एंड गो सुविधा भी दी जा रही है। रे भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म एक की तरफ बनी, पार्किंग में करीब 800 दो पहिए वाहन और 200 चार पहिए वाहन खड़े करने की जगह है। फिलहाल इसे पुराने पार्किंग शुल्क पर ही शुरू किया है। शुल्क में की जाने वाली 10 से 20 प्रतिशत बढ़ोत्तरी नहीं की गई है। इस एंट्री पर करीब 40 से 50 हजार यात्रियों का आवागमन होता है।

ऑटो, टैक्सी की भीड़ से छुटकारा

इस सुविधा के शुरू होने से यात्रियों को भीड़ से काफी राहत मिलेगी। यात्रियों ने कई बार ऑटो, टैक्सी की भीड़ को लेकर रेलवे में शिकायत की है। अब ऑटो टैक्सी की भीड़ भी स्टेशन के बाहर नहीं मिलेगी। जिन्हें ऑटो या टैक्सी करना होगा वह आटो ले आएंगे। छह नंबर की तरफ पहले ही इंटीग्रेटेड पार्किंग शुरू कर दी गई थी, अब एक नंबर शुरू करने से भोपाल और रानी कमलापति स्टेशन पूरी तरह इंटीग्रेटेड पार्किंग हो गई है।

मेट्रो एंकर हिरदारामजी का 119वां अवतरण दिवस मनेगा सेवा संकल्प दिवस

सेवासदन में 119 ऑपरेशन होंगे, रोपे जाएंगे 119 पौधे, अनुयायी घरों में प्रज्ज्वलित करेंगे दीप

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

मानव सेवा को अपना जीवन समर्पित करने वाले स्वामी संत हिरदाराम जी का 119वां अवतरण दिवस 21 सितम्बर को सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सुखमनी पाठ साहिब, जरूरतमंदों की आंखों के निशुल्क ऑपरेशन और भंडारा होगा। संतजी के अनुयानी अपने घरों में पांच-पांच दीपक जलाएंगे। जीव सेवा संस्थान द्वारा 19 से 21 सितम्बर तक तीन दिनी सुखमनी के पाठ का आयोजन किया जाएगा। नव युवक सभा भवन में 50 हजार से अधिक लोगों के लिए भंडारा होगा। इसके अलावा अनाथालयों, राजधानी के सभी आश्रमों, निर्माणाधीन भवनों पर काम करने वाले श्रमिकों के मध्य भोजन, फल एवं मिठाई का वितरण किया जाएगा। जेएसएस के सचिव महेश दयारामानी ने बताया कि अवतरण दिवस पर न केवल संत हिरदाराम नगर बल्कि देश के अनेक नगरों व बाहरी देशों में भी इस दिन सेवा के अनेक कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। उल्हासनगर में पूरे माह डायलेसिस की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। कई संगठन अहमदाबार, मुम्बई, राजकोट, अजमेर, जयपुर,

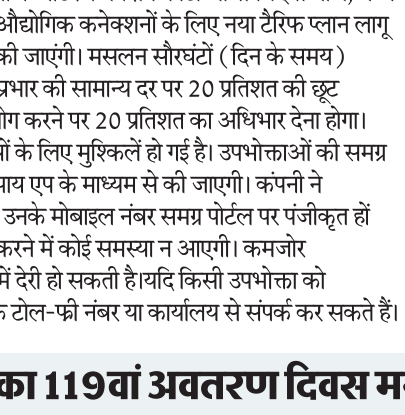

उदयपुर व बाहर के मुल्कों में भी 21 सितम्बर को अनेक सेवा कार्य किए जाएंगे।

अनुयायी पांच-पांच दीप जलाएंगे: महेश दयारामानी ने बताया कि इस दिन संत हिरदाराम नगर के अलावा जहाँ जहां भी स्वामी हिरदाराम जी के अनुयायी रहते हैं वह अपने घरों में पांच पांच दीपक जलाएंगे। विभिन्न स्कूलों के हजारों विद्यार्थी सेवा का संकल्प लेंगे।

मोतियाबिंद के 119 निःशुल्क ऑपरेशन

सेवासदन नेत्र चिकित्सालय में इस दिन गरीब एवं ग्रामीण इलाकें के 119 नेत्र रोगियों की आंखों के निःशुल्क आपरेशन किए जाएंगे। निःशुल्क दंत शिविर भी लगेगा। इसके अलावा 119 यूनिट ब्लड डोनेशन का कैम्प भी लगाया जाएगा। गांधीनगर में निर्माणाधीन सेवा सदन अस्पताल के भवन के आस पास 119 पौधे रोपे जाने का का निर्णय भी लिया गया है। लालघाटी के समीप डॉ. केशव बुधवानी द्वारा संचालित कैयर इनफिनिटी हास्पीटल में 21 सितम्बर को डायलेसि एवं ओपीडी तथा अन्य जांचे निःशुल्क की जाएंगी। मधुमेह, रक्तदान, थायराइट, सीबीसी आदि बीमारियों के लिए निःशुल्क शिविरों का भी आयोजन किया गया है।

खेत की मेढ़ पर बैठकर किसानों को भाजपाई बनाया

विधायक रामेश्वर शर्मा जुटे सदस्यता अभियान में

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भाजपा का देशव्यापी सदस्यता अभियान निरंतर जारी है। मध्य प्रदेश में भी भाजपा नये सदस्यों को जोड़ने के लिए अलग-अलग अभियान चला रही है। रविवार को मध्यप्रदेश भाजपा द्वारा किसान सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें सभी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने अपने अपने क्षेत्र में किसानों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इसी तारतम्य में हुजूर विधानसभा के विधायक रामेश्वर शर्मा ने टीलाखेड़ी में किसान बंधुओं के बीच सदस्यता अभियान चलाया। विधायक ने किसानों के बीच पहुँचकर उनके खेत की मेढ़ पर बैठकर किसानों को सदस्यता दिलाई। साथ ही टीलाखेड़ी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर किसानों को संबोधित भी किया। किसानों को संबोधित करते हुए विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि - देश के अन्नदाता ही देश के असली कर्ताधर्ता हैं। बिना अन्न के कोई काम नहीं हो सकता, जीवन भी संभव नहीं है। इसलिए आप किसान ही देश की असली आधारशिला हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने लालकिले की प्राचीर से किसानों की तरक्की का रोडमैप बताया था। उन्होंने किसानों की खुशहाली के लिए किसान सम्मान निधि के साथ ही कई अन्य लाभकारी योजनाएं भी चलाई। जिसके परिणामस्वरूप आज कृषि लाभ का धंधा बन रही है। मध्य प्रदेश की सरकार भी माननीय मोहन यादव जी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए अनेकों कार्य कर रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा 0त्न ब्याज पर किसानों को ऋ्शा उपलब्ध कराया जाता है। यह सब प्रयास दिखाते हैं कि भाजपा मनसा-वाचा-कर्मणा किसानों के हित के लिए संकल्पित हैं। हम केवल कहते नहीं है, कर के भी दिखाते हैं। और इसी के फलस्वरूप हमें अपने अन्नदाताओं का भरपूर आशीर्वाद मिलता है।

बेटे जैसा स्नेह मिला: हुजूर के किसानों ने मुझे सदैव बेटे जैसा स्नेह दिया है, इसलिए इनकी सुविधा और सेवा के लिए समर्पित रहना मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा किसानों की पार्टी है इसलिए किसान आगे आकर भाजपा के सदस्य बन रहे हैं। और हम गौरवान्वित हैं कि अन्नदाताओं का आशीर्वाद हमें मिल रहा है।

कानून व्यवस्था व अपराध पर सरकार को घेर रहे विपक्ष को पुलिस का जवाब

अपराध घटे: पीएचक्यू ने जनवरी से जुलाई तक के अपराधों का रिकॉर्ड जारी किया

हत्या, हत्या के प्रयास और डकैती के प्रकरणों में कमी, महिलाओं के खिलाफ भी घटे अपराध

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कानून व्यवस्था व अपराधों को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हावी है। इसमें इंदौर व उज्जैन में दुष्कर्म जैसी घटनाओं ने विपक्ष के लिए आग में घी डालने जैसा काम किया। यहां तक कि मुख्यमंत्री को सामने आकर कहना पड़ा कि मप्र में कानून का राज है। फिर भी विपक्ष में बैठी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार एक के बाद एक जुबानी हमले कर रहे हैं। जिन्हें मप्र पुलिस ने अपराधों का रिकार्ड जारी कर जवाब दिया है कि मप्र में हर तरह के अपराधों में कमी आई है। महिलाओं के खिलाफ अपराध कम हुए हैं, वहीं हत्या, हत्या के प्रयास और डकैती के प्रकरणों में भी कमी गिरावट आई है। अनुसूचित जाति, जनजाति श्रेणी के लोगों के साथ भी आपराधिक घटनाएं कम हुई हैं।

पुलिस का दावा– ऐसे आई अपराधों में कमी

- बलात्कार के प्रकरणों में 10.22 फीसद, सामुहिक बलात्कार के प्रकरणों में 19.01 फीसद,, छेड़छाड़ के प्रकरणों में 9.85 फीसद, दहेज प्रताड़ना में 3.23 फीसद की कमी आई।

- इस तरह महिलाओं के साथ हर तरह के अपराधों में कुल 7.91 फीसद की कमी आई।– बच्चों (पॉक्सो एक्ट) के विरुद्ध अपराधों में 14 फीसद की कमी आई।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अपराधों में पिछली अवधि की तुलना में 22.04 फीसद की कमी आई।
- लूट के अपराधों में 23.22 फीसद, नकबजनी में 9.53 फीसद व सामान्य चोरी में 6.51 फीसद की कमी आई।
- बीते 7 माह में 182714 आइपीसी व बीएनएस अपराध घटित हुए। बीते वर्ष इसी अवधि में 189178 अपराध घटित हुए थे। इस तरह 3.53 फीसद की कमी आई।
- गंभीर अपराधों जैसे हत्या के प्रकरणों में 7.15 फीसद, डकैती में 51.56 फीसद से अधिक की कमी आई।

अपराधों में कमी लाने ये किए प्रयास

पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि ऊर्जा महिला डेस्क, 'आशा', 'मुस्कान', 'मैं हूं अभिमन्यु', जैसे अभियान चलाए। जिसमें अपराध रोकने में काफी हद तक मदद मिली। अपराधों की समीक्षाएं की और कदम उठाए, अपराधों की छानबीन में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया और मुखबिर तंत्र को मजबूत कर रहे।

आईएएस एसोसिएशन के बयान पर जीतू का पलटवार

नार्को टेस्ट करा लें, सब पता चल जाएगा

– पटवारी ने नर्मदापुरम में कहा था अधिकारी, कर्मचारियों का तबादला बिना लेनदेन के नहीं होता

– जिस पर सरकार ने तो विपक्ष को घेरा ही, आईएएस एसोसिएशन ने भी बिना किसी का नाम लिए ऐसे बयान से बचने की सलाह दे डाली

भोपाल। आईएएस एसोसिएशन की ओर से बयान सामने आने के बाद जीतू पटवारी ने सरकार पर पलटवार करते हुए है कि पांच अधिकारियों का नार्को टेस्ट करवा लिया जाए, जब पता चल जाएगा कि किससे पैसे लिए हैं और किससे नहीं लिए हैं। जिसके बाद से यह बयान देशभर में वायरल हो रहा है। असल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नर्मदापुरम में आयोजित ट्रैक्टर रैली में कहा था कि मप्र में अधिकारी, कर्मचारी भी नाराज है, बिना लेनदेन के तबादले नहीं हो रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। यह भी कहा कि कई अधिकारी अपने दिल पर हाथ रखकर अपनी अंतर आत्मा से पूछे तो उन्हें पता चल जाएगा कि क्या हो रहा है। इसके बाद सरकार की ओर से खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पलटवार किया और कहा कि सरकार कर्मचारी, अधिकारियों के साथ है और भ्रम फैलाने वाले, गुमराह करने वालों से निपटा जाएगा। इस घटनाक्रम के दूसरे दिन मप्र आईएएस एसोसिएशन की ओर से एक बयान आया था, जिसमें कहा कि मप्र के अधिकारी, कर्मचारी मेहनत से काम कर रहे हैं, चाहे किसी भी दल की सरकार रही है, वे कभी पीछे नहीं हटे। यही क्रम आगे भी जारी रहेगा। दलों से अपेक्षा है कि वे अधिकारी, कर्मचारियों को लेकर टिप्पणी न करें। जिसके बाद जीतू पटवारी ने फिर एक सभा को संबोधित करते हुए नार्को टेस्ट कराने की बात कही है।

पहले चरण के पंजीयन 17 तक, द्वितीय चरण 25 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक चलेगा

बीएएमएस, बीएचएमएस की काउंसलिंग शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीएएमएस, बीएचएमएस एवं बीयूएमएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मप्र आयुष विभाग अंडर ग्रेजुएट की दो चरणों में काउंसलिंग कर रहा है। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग द्वारा जारी निर्देशानुसार भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग से प्रवेश अनुमति प्राप्त निजी आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी महाविद्यालयों की 15 प्रतिशत ऑल इंडिया कोटे की सीटों पर एमपी ऑनलाइन से प्रवेश की कार्यवाही प्रारंभ हो गई है। काउंसलिंग का प्रथम चरण 12 सितंबर से ऑनलाइन पंजीयन के साथ प्रारंभ हो गया है। यह 25 सितम्बर तक चलेगा। द्वितीय चरण 25 सितम्बर से प्रारंभ होकर 3 अक्टूबर तक चलेगा। प्रथम चरण में 17 सितम्बर रात्रि 11:59 मिनट तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन फार्म में सुधार करने की सुविधा 17 सितम्बर रात्रि 11:59 मिनट तक उपलब्ध रहेगी। रिक्त सीटों की स्थिति की जानकारी ऑनलाइन 18 सितम्बर को मिलेगी। मेरिट सूची का प्रकाशन भी 18 सितम्बर को ही किया जाएगा। अभ्यर्थी द्वार महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाइस फिलिंग और लॉकिंग) 19 से 22 सितम्बर रात्रि 11:59 तक किया जा सकेगा। 24 सितम्बर को सीटों का आवंटन होगा। पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल में रिपोर्टिंग कर अभिलेख सत्यापन उपरांत औपचारिकताएं पूर्ण कर 25 और 26 सितम्बर शाम 5 बजे तक अस्थायी प्रवेश प्राप्त किया जा सकेगा। 25 से 26 सितम्बर शाम 6 बजे तक प्रवेश निरस्तीकरण की सूचना ऑनलाइन मिलेगी।

दूसरे चरण की समय सारणी

द्वितीय चरण में 25 से 26 सितंबर रात्रि 11:59 मिनट तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन फार्म में एडिट करने की सुविधा 25 से 26 सितंबर रात्रि 11:59 मिनट तक उपलब्ध रहेगी। रिक्त सीटों की स्थिति की जानकारी ऑनलाइन 27 सितम्बर को मिलेगी। मेरिट सूची का प्रकाशन भी 27 सितंबर को ही किया जाएगा। अभ्यर्थी द्वार कॉलेजों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाइस फिलिंग और लॉकिंग) 27 से 29 सितंबर रात्रि 11:59 तक किया जा सकेगा। एक अक्टूबर को सीटों का आवंटन होगा। पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल में रिपोर्टिंग कर अभिलेख सत्यापन उपरांत औपचारिकताएं पूर्ण कर 3 और 4 अक्टूबर शाम 5 बजे तक अस्थायी प्रवेश प्राप्त किया जा सकेगा। दिनांक 3 से 6 अक्टूबर शाम 6 बजे तक प्रवेश निरस्तीकरण की सूचना ऑनलाइन मिलेगी।

सोयाबीन के दाम बढ़ाने की मांग पर किसान संघ का प्रदेशभर में प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र में सोयाबीन किसानोंकाआंदोलन तीन सप्ताह से जारी है। सोयाबीन के दाम 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल किए जाने की मांग को लेकर किसान गांव से लेकर तहसील स्तर तक प्रदर्शन कर चुके हैं। आज भारतीय किसान संघ मप्र के अलग-अलग जिला मुख्यालयों पर रैली निकालकर सोयाबीन के दाम 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल किए जाने की मांग को लेकर कलेक्टरों को ज्ञापन सौंप रहे हैं। हलांकि, सरकार ने किसानों के ब?ते आंदोलन को देखते हुए 4892 रुपए प्रति क्विंटल की दर से सोयाबीन की एमएसपी पर खरीदी कराने की तैयारी की है। 25 सितंबर से किसानों के पंजीयन शुरू हो जाएंगे। लेकिन, किसान सरकार की इस दर से संतुष्ट नहीं हैं।

इधर भोपाल में भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष गिरधर सिंह राजपूत के नेतृत्व में किसान रैली निकालकर कलेक्टर को ज्ञापन देने के लिये किसान जुटे हैं। इनकी मांगे सोयाबीन का दाम 6 हजार प्रति क्विंटल करने, यलो मोजेक के कारण सोयाबीन की खराब फसल पर आरबीसी 6/4 के तहत सर्वे कराकर इसकी क्षतिपूर्ति राशि आदि है। संघ ने कहा है कि प्रदेश सरकार ने अपने घोषणा पत्र में गेहूं को 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने की घोषणा की थी। अगले सीजन में इसी दर पर गेहूं को खरीदा जाए।

मेट्रो एंकर | स्कूल शिक्षा विभाग अवकाश और त्योहार के दिन भी करा रहा काउंसलिंग

अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग की ऑनलाइन निगरानी, समिति गठित

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अतिशेष करीब 33 हजार शिक्षकों को काउंसलिंग प्रक्रिया स्कूल शिक्षा विभाग अब तक पूरी नहीं कर पाया है। छुट्टी और त्योहार के दिन भी काउंसलिंग कराई जा रही है। वहीं अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग की ऑनलाइन निगरानी के लिए लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई)स्तर पर समिति गठित की गई है, जो ऑनलाइन सभी जिलों में नजर रखेगी। अपर संचालक कामना आचार्य की अध्यक्षता में गठित इस समिति में अपर संचालक आरके सिंह, संयुक्त संचालक आलोक खरे,संबंधित शाखा के संयुक्त संचालक एवं उप संचालक और आइटी शाखा के सहायक संचालक सदस्य बनाए गए हैं। इसके अलावा सभी जिलों में काउंसलिंग के लिए एक-एक पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया गया है।

दिनभर परेशान होते रहे

रविवार को काउंसलिंग में शामिल होने के लिए आए शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण नहीं होने से दिनभर परेशान होते रहें। करीब 150 शिक्षकों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था, जो रात 10 बजे तक अपनी बारी का इंतजार करते रहें। वहीं दिनभर काउंसलिंग प्रक्रिया चलने से खासतौर पर महिला शिक्षक परेशान हो रही हैं। पोर्टल पर तकनीकी समस्या के कारण काउंसलिंग प्रक्रिया धीमी गति से चल रही है। इस कारण शिक्षकों को दिनभर बैठना पड़ रहा है।

ऑटोनोमस कॉलेजों में प्राचार्यों के लिए 20 से होंगे इंटरव्यू, 195 आवेदक

प्रदेश भर के शासकीय ऑटोनोमस कॉलेजों में प्राचार्यों की नियुक्ति को लेकर प्रक्रिया शुरू हो गई है। 195 आवेदकों के इंटरव्यू 20 सितंबर से होंगे। यह इंटरव्यू 20 व 25 सितंबर को दो शिफ्टों में होंगे। इसके लिए सुबह 11 से 2 बजे तक और दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक का समय दिया गया है। वहीं 2 दिन 23 और 24 सितंबर के एक ही शिफ्ट सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक होंगे। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने शेड्यूल तय कर आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। संबंधित आवेदकों को तय तारीख पर आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस में भी प्राचार्य और प्रभारी के पद पर पदस्थापना की जाना है। यह भी इंटरव्यू के आधार पर होगी। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने टाइम टेबल जारी कर दिया है। इसके तहत साक्षात्कार 20 से 25 सितंबर तक आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान हर दिन करीब 60 उम्मीदवारों के साक्षात्कार होंगे।

संपादकीय

रिश्तों के लिए संवाद जरूरी

सामान्य तौर पर रिश्तों के लिए एक दूसरे पर भरोसा बहुत जरूरी होता है और बात यदि दो देशों के बीच सीमा को लेकर तनातनी की हो तो यह भरोसा होना भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। ताकि सभी स्थितियां सामान्य रहें। मगर जरूरी है कि दोनों पक्षों के व्यवहार में पारदर्शिता बरकरार रहे। यहां मामला भारत व चीन के बीच का है। यहां पर दोनों देशों के रिश्तों की बेहतरी के लिए अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है, लेकिन दोनों पक्ष अगर इसकी इच्छा जता रहे हैं तो यह भी अच्छी बात है। जहां चाह होती है, वहां राह निकलना बहुत मुश्किल नहीं होता। इसीलियें विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याएं 75त्न तक सुलझ गई हैं, यह बात कई लिहाज से अहम हैं। इसकी टाइमिंग तो खास है ही, आगे-पीछे और समानांतर चल रहे प्रयासों की रोशनी में इस बयान को दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की बढ़ी हुई दोतरफा इच्छा का संकेत माना जा रहा है। भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद के चार वर्षों में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के दर्जनों दौर हो चुके हैं। लेकिन यह पहला मौका है जब विदेश मंत्री ने इसमें हुई प्रगति को इस तरह मात्रात्मक अंदाज में व्यक्त किया। इससे पॉजिटिविटी का जो संदेश निकला है, वह इस मायने में भी अहम है कि इससे साथ-साथ चल रहे अन्य प्रयासों की भावना भी रेखांकित होती है। विदेश मंत्री जयशंकर के बयान के कुछ घंटों के भीतर ही ब्रिक्स देशों की एनएसए बैठक के लिए रूस गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। वे विदेश मंत्री भी हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने अपने चीनी समकक्ष के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की जल्द पुनर्बहाली से जुड़े पहलुओं पर बातचीत की। ये सारे प्रयास इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं कि अगले महीने ब्रिक्स देशों की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात होने वाली है। इन बातों का यह मतलब नहीं है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद की उलझी हुई गुत्थी आसान हो गई है। दोनों के स्टैंड में किसी बदलाव का कोई संकेत अभी तक नहीं है। चीन की तरफ से सीमा विवाद को दरकिनार करते हुए संबंध सुधारने के आग्रह पर भारत का रुख आज भी यही है कि सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल हुए बगैर यह संभव नहीं। भारत यह बताने में भी संकोच नहीं कर रहा कि चार साल पहले एलएसी पर चीन द्वारा की गई कार्रवाई दोनों पक्षों के बीच उस समय तक बनी तमाम सहमतियों का उल्लंघन थी और आज तक यह भी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है कि आखिर चीन ने ऐसा क्यों किया। हाल में यह भी बात चीन की तरफ से आई है कि पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर गलवान घाटी समेत 4 इलाकों से दोनों देशों की सेनाएं हटी हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग के कहा कि बॉर्डर पर हालात स्थिर और कंट्रोल में हैं। चीनी विदेश मंत्रालय का यह बयान सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की चीनी विदेश मंत्री वांग यी से रूस में मुलाकात के बाद आया है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक का मसला अभी भी अनसुलझा है। कुल मिलाकर रिश्ते सामान्य बनाने के लिये संवाद के जरिये हल की तलाश ही सबसे बेहतर उपाए है।

> श्रेष्ठ कविता रिवाज़ी क़िस्म की समीक्षा को बिल्कुल सह नहीं पाती है, उसे तत्काल ख़ारिज कर देती है।
>
> – कुंवर नारायण

आज का इतिहास

- 1598- नीदरलैंड के नाविकों ने मॉरीशस की खोज की।
- 1761- कोसाब्रोमा का युद्ध लड़ा गया।
- 1778- अमेरिका और भारतीय जनजातियों के बीच पहली संधि (फोर्ट पिट) पर हस्ताक्षर किये गये।
- 1828- क्यूशू, जापान में आये भयानक तूफान से लगभग 10,000 लोग मारे गए।
- 1914- एंड्रयू फिशर तीसरी बार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री बने।
- 1914- तत्कालीन सोवियन रूस लीग ऑफ नेशनंस में शामिल हुआ।
- 1941 - न्यूजीलैंड की लेबर पार्टी ने मृत्युदंड समाप्त कर दिया।
- 1949 - द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की स्थापना हुई।
- 1950 - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म।
- 1956 - भारतीय तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग का गठन हुआ।
- 1956 - ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेलीविजन पर प्रसारण हुआ।
- 1956 - नॉर्मन बकले ने अपने मोटरबोट में विश्व जल गति रिकॉर्ड को तोड़ा।
- 1957 - मलेशिया संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ था।
- 1974 - बंगलादेश, ग्रेनेडा और गिनी बिसाऊ संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुए।
- 1976 - नासा ने सार्वजनिक रूप से अपने पहले स्पेस शटल का खुलासा किया था।
- 1988 - दक्षिण कोरिया के सोल में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का आयोजन हुआ।
- 2004 - यूरोपीय संसद ने मालदीव पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया था।
- 2011 - न्यूयॉर्क के जुकोट्टी पार्क में वॉल स्ट्रीट घेरो आंदोलन की शुरूआत।
- 2014 - चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग व्यापार संबंधों में सुधार के लिए भारत यात्रा पर आये।
- 2016 - न्यूयॉर्क के चेल्सी में आतंक बम से 29 घायल हुए।
- 2017 - पी वी सिंधु कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय

निशाना

बाकी मुद्दे गौड़ हुए !

जाति जाति चिल्ला कर ।
कर रहे सब काम ।।
बाकी मुद्दे गौड़ हुए ।
अब असली पैग़ाम ।।
गली अगर ना दाल तो ।
है पुनः विश्राम ।।
कर सब कुछ प्रयोग ।
हैं रहे नाकाम ।।
करने को सब सार्वजनिक ।
मन इनका ललचाया ।।
है फ़िलहाल महफ़िल ।
सत्ता की सब माया ।।
होगा कितना कारगर ?
पकड़ा जो हथियार ।।
लगता विघ्न आनी हैं ।
अड़चनें हज़ार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

मोदी का 2029 से 2047 तक भारत को विश्व विजयी बनाने का संकल्प

■ आलोक मेहता

मुंबई के फिनटेक अनतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पिछले दिनों प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने फाइनेंस से जुड़े सैकड़ों पुराने अनुभवी और युवा प्रबंधकों को वित्तीय क्षेत्र में अपार संभावनाओं सफलताओं का विश्वास दिलाते हुए कहा ' मैं इस प्रगति पर 2029 में फिर आपके ऐसे सम्मेलन में आकर बात करूँगा 7 ' इस बात की गूंज लन्दन वाशिंगटन तक पहुंची । लंदन से फाइनेंस से जुड़े एक मित्र ने मुझसे फोन करके पूछा - 'नरेंद्र मोदी का आत्म विश्वास गजब का है । अभी तीसरी बार जीतकर आए हैं और 2029 में चौथी बार प्रधान मंत्री बनकर फाइनेंस के टेक्नो क्रांति को बढ़ाने और 204। में विकसित भारत की घोषणा ही कर दी है । तब इनकी उम्र क्या होगी ? ' मैंने उत्तर दिया - ' आप जोड़ लें - 1। सितम्बर 1950 का जन्म है , तो ।9 के हो जाएंगे और 204। में 9। के होंगे । इससे क्या फर्क पड़ता है । उनका एक आदर्श वाक्य है - '÷जब हम तय करते हैं कि हमें कुछ करना है, हम मीलों आगे जा सकते हैं ' , इसलिए वर्षों की गिनती के बजाय मोदी को अपने और देश के लिए लक्ष्य निर्धारित करने और उसके क्रियान्वयन की पूरी योजना बनाने की आदत है । फिर हमारे यहाँ एक सौ वर्ष की आयु की प्रार्थना तथा आशीर्वाद की परम्परा है । मोदीजी की माताजी की आयु भी 99 की रही है ।

सचमुच इस तरह के आत्म विश्वास और दूर दृष्टि वाला कोई अन्य नेता विश्व में नहीं दिखाई देता । देश इस 1। सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ।4वां जन्म दिन मनाएगा । भाजपा और उनके समर्थक इसे सेवा पखवाड़े की तरह गाँधी जयंती 2 अक्टूबर तक मनाएंगे । स्कूली जीवन से नरेंद्र मोदी को मंच पर बोलने , नायक की भूमिका ही निभाते हुए आसपास के गरीब साथियों और गाँव के लोगों की सहायता , उनके जीवन में बदलाव के प्रयास की इच्छा शक्ति रही है ।सत्ता, संपन्नता, शिखर-सफलता अधिक महत्वपूर्ण है- संघर्ष की क्षमता और जीवन मूल्यों की दृढ़ता। इसलिए नरेन्द्र भाई मोदी के प्रधानमंत्री पद और राजनीतिक सफलताओं के विश्लेषण से अधिक महत्ता उनकी संघर्ष यात्रा और हर पड़ाव पर विजय की चर्चा करना मुझे श्रेयस्कर लगता है। राजधानी में संभवतः ऐसे बहुत कम पत्रकार इस समय होंगे, जो 19।2 से 19।6 के दौरान गुजरात में संवाददाता के रूप में रहकर आए हों। इसलिए मैं वहीं से बात शुरू करना चाहता हूँ। हिन्दुस्तान समाचार (न्यूज एजेंसी) के संवाददाता के रूप में मुझे 19।3-।6 के दौरान कांग्रेस के एक अधिवेशन, फिर चिमन भाई पटेल के विरुद्ध हुए गुजरात छात्र आंदोलन और 19।5 में इमरजेंसी रहते हुए लगभग 8 महीने अहमदाबाद में पूर्णकालिक रहकर काम करने का अवसर मिला था। इमरजेंसी के दौरान नरेन्द्र मोदी भूमिगत रूप से संघ-जनसंघ तथा विरोधी नेताओं के बीच संपर्क तथा सरकार के दमन संबंधी समाचार-विचार की सामग्री गोपनीय रूप से पहुंचाने का साहसिक काम कर रहे थे। लेकिन संयोग से नरेन्द्र भाई के अनुज पंकज मोदी भी हिन्दुस्तान समाचार कार्यालय में काम कर रहे थे। उन्हीं दिनों पंकज भाई और ब्यूरो प्रमुख भूपत पारिख से इस परिवार और नरेन्द्र भाई के किशोर-युवा काल से संघ तथा समाज सेवा के प्रति गहरी निष्ठा एवं लेखन क्षमता की जानकारियाँ मिलीं। इसलिए यह कह सकता हूँ कि सुरक्षित जेल (और बड़े नेताओं के लिए कुछ हद तक न्यून्तम सुविधा साथी भी) की अपेक्षा गुपचुप वेशभूषा बदलकर इमरजेंसी और सरकार के विरुद्ध संघर्ष की गतिविधियाँ चलाने में नरेन्द्र मोदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गिरफ्तारी से पहले सोशलिस्ट जार्ज फर्नांडीस भी भेस बदलकर गुजरात पहुंच थे और नरेन्द्र भाई से सहायता ली थी। मूलतः कांग्रेसी लेकिन इमरजेंसी विरोधी रवीन्द्र वर्मा जैसे अन्य दलों के नेता भी उनके संपर्क से काम कर रहे थे।अपनी पहली किताब 'आपातकाल में गुजरात' उन्होंने उस जमाने में लिखी थी, जब वह युवा थे और गुजरात में आपातकाल के खिलाफ भूमिगत संघर्ष कर रहे थे । यह वह दौर था जब नरेंद्र मोदी संघ से जुड़ हुए थे । इस किताब में नरेंद्र मोदी ने आपातकाल की दुश्वारियों का वर्णन किया है । यह किताब गुजराती में है ।बताते हैं कि इस किताब को लिखने के लिए नरेंद्र मोदी ने खाना तक छोड़ दिया था । उन्होंने 23 दिन तक नींबू पानी पीकर इस किताब को लिखा था ।

संघर्ष के इस दौर ने संभवतः नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रीय राजनीति की कटीली-पथरीली सीढ़ियों पर आगे बढ़ना सिखा दिया। लक्ष्य भले ही सत्ता नहीं रहा हो, लेकिन कठिन से कठिन स्थितियों में समाज और राष्ट्र के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प उनके जीवन में देखने को मिलता है। इस संकल्प का सबसे बड़ा प्रमाण भाजपा को पूर्ण बहुमत के साथ दूसरी बार सत्ता में आने के कुछ ही महीनों में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बाकायदा संसद की स्वीकृति के साथ -कश्मीर के लिए बनी अस्थायी व्यवस्था की धारा 3।0 की दीवार ध्वस्त कर लोकतांत्रिक इतिहास का नया अध्याय लिख दिया। सामान्यतः लोगों को गलतफहमी है कि मोदी जी को यह विचार तात्कालिक राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों के कारण आया। हम जैसे पत्रकारों को याद है है कि 1995-96 से भारतीय जनता पार्टी के महासचिव के रूप में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल के साथ जम्मू-कश्मीर में संगठन को सक्रिय करने के लिए पूरे सामर्थ्य के साथ जुट गए थे। हम लोगों से चर्चा के दौरान भी जम्मू-कश्मीर अधिक केन्द्रित होता था, क्योंकि भाजपा को वहां राजनीतिक जमीन तैयार करनी थी। संघ में रहते हुए भी वह जम्मू-कश्मीर की यात्राएं करते रहे थे। लेकिन नब्बे के दशक में आतंकवाद चरम पर था। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल किंलटन की भारत-यात्रा के दौरान कश्मीर के छत्तीसिंगपुरा में आतंकवादियों ने 36 सिखों की नृशंस हत्या कर दी। प्रदेश

प्रभारी के नाते नरेन्द्र मोदी तत्काल कश्मीर रवाना हो गए। बिना किसी सुरक्षाकर्मी या पुलिस सहायता के नरेन्द्र मोदी सड़क मार्ग से प्रभावित क्षेत्र में पहुंच गए। तब फारूख अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री थे। जब पता लगा तो उन्होंने फोन कर जानना चाहा कि 'आप वहाँ कैसे पहुंच गए। आतंकवादियों द्वारा यहां वहां रास्तों में भी बारूद बिछाए जाने की सूचना है। आपके खतरा मोल लेने से मैं स्वयं मुश्किल में पड़ जाऊँगा।' यही नहीं उन्होंने पार्टी प्रमुख लालकृष्ण आडवाणी जी से शिकायत की कि, आपका यह सहयोगी बिना बताए किसी भी समय सुरक्षा के बिना घूम रहा है। यह गलत है। आडवाणी जी ने भी फोन किया। तब भी नरेन्द्र भाई ने विनम्रता से उत्तर दिया कि मृतकों के अंतिम संस्कार के बाद ही वापस आऊँगा। असल में सबको उनका जवाब होता था कि 'अपना कर्तव्य पालन करने के लिए मुझे जीवन-मृत्यु की परवाह नहीं होती'। जम्मू-कश्मीर के दुर्गम इलाकों-गाँवों में निर्भीक यात्राओं के कारण वह जम्मू-कश्मीर की समस्याओं को समझते हुए उसे भारत के सुखी-संपन्न प्रदेशों की तरह विकसित करने का संकल्प संजोए हुए थे। वैसे भी हिमालय की वादियां युवा काल से उनके दिल दिमाग पर छाई रही हैं। लेह-लद्दाख में जहां लोग ऑक्सीजन की कमी से विचलित हो जाते हैं, नरेन्द्र मोदी को कोई समस्या नहीं होती। उन दिनों लद्दाख के अलावा वह तिब्बत, मानसरोवर और कैलाश पर्वत की यात्रा भी 2001 से पहले कर आए थे। तभी उन्होंने यह सपना भी देखा कि कभी लेह के रास्ते हजारों भारतीय कैलाश मानसरोवर जा सकेंगे। यह रास्ता सबसे सुगम होगा। उम्मीद की जाए कि लद्दाख और कश्मीर आने वाले वर्षों में स्विजरलैंड से अधिक सुगम, आकर्षक और सुविधा संपन्न हो जाएगा। अमेरिका , यूरोप ही नहीं चीन के साथ भी सम्बन्ध सुधारने के प्रयास सम्पूर्ण जम्मू कश्मीर लद्दाख को सुखी संपन्न बनाना रहा है । इसलिए लद्दाख को केंद्र शासित बनाने की मांग को पूरी करने के साथ जम्मू कश्मीर को भी फिलहाल केंद्र शासित रखा और नागरिकों को भी समूर्ण भारत में लागू सुविधाओं - कानूनों का प्रावधान कर दिया ।

हिमालय की तरह नर्मदा उनके दिल से जुड़ी हुई है। उनका मुकाबला तो कोई नहीं कर सकता, लेकिन उज्जैन-इंदौर-ओंकारेश्वर की मेरी पृष्ठभूमि के कारण नर्मदा बांध पर 19।3-।4 से नर्मदा के पानी बंटवारे, राजनीतिक विवाद, नर्मदा के गंगा नदी से प्राचीन होने तथा पौराणिक महत्व के साथ आधुनिक प्रगति में नर्मदा की जल शक्ति के उपयोग पर लिखता रहा। इसलिये भाजपा संगठन और मुख्यमंत्री रहते नरेन्द्र मोदी जी से नर्मदा पर बातचीत के अवसर मिले थे । कुछ वर्ष पहले नर्मदा के महत्व , संस्कृति पर एक पुस्तक तैयार की और इसकी भूमिका लिखने का संदेश प्रधान मंत्री को भेजा। फिर पांडुलिपि भिजवाई, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यवस्तताओं के बावजूद ध्यान से पढ़कर सुंदर लिखित टिप्पणी भेज दी। बाद में भारत के सामाजिक सुधारों पर लिखी पुस्तक पर उन्होंने प्रभावशाली सन्देश भेजा । उन्होंने बहुत पहले स्वयं सामाजिक समरसता पर एक पुस्तक लिखी थी । संगठन या सरकार में रहते हुए भी मोदी का न तो पुस्तक प्रेम रुका और न ही पढ़ने का सिलसिला थमा ।प्रधानमंत्री बनने के बाद भी मोदी के पठन-पाठन में कोई कमी नहीं आई है. अब भी देर रात वो पढ़ने के लिए समय निकाल ही लेते हैं. जहां तक उनकी लाइब्रेरी में पुस्तकों का सवाल है, उनकी संख्या में पिछले दस वर्षों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है । सैकड़ों नई किताबें उनकी लाइब्रेरी में शामिल हुई हैं । ये किताबें दुनिया की सभी प्रमुख भाषाओं में हैं । मोदी जब विदेश प्रवास पर होते हैं, तो उनके पुस्तक प्रेम को जानते हुए मेजबान शासनाध्यक्ष और राष्ट्राध्यक्ष तो उन्हें किताबें भेंट करते ही है । हाँ आशा करना चाहिए कि उनकी सरकारों और आधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस मंत्रालयों के अधिकारी पुस्तकों और पुस्तकालयों को करोड़ों भारतवासियों तक सुलभ कराने पर समुचित प्राथमिकता देंगे ।

स्वामी विवेकानंद , दयानन्द , राजराममोहनरॉय , महात्मा गाँधी के आदर्शों सपनों के अनुरुप समाज सुधार के अभियान कार्यक्रम मोदी सरकार क्रियान्वित कर रही है । भारत के ही नहीं विश्व के चुनिन्दा नेताओं में नरेंद्र मोदी अग्रणी समझे जाने लगे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अंतरिक्ष, मंगल, चंद्र यानों की सफलताओं से अधिक गाँवों को पानी, बिजली, बेटियों को शिक्षा, गरीब परिवारों के लिए मकान, शौचालय और घरेलु गैस , बिजली , सड़क , गरीबों के साथ बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य बीमा योजनाएं उपलब्ध कराने के अभियानों से अधिक संतोष मिलता है। इसी तरह स्व रोजगार , महिलाओं की आत्म निर्भरता के लिए कई नई योजनाएं शुरु करने से उन्हें तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने में सफलता मिली । इसलिये मैं इस धारणा से सहमत नहीं हूं कि गुजरात में हुए औद्योगिक विकास और संपन्नता को ध्यान में रखकर पहले उन्होंने उद्योगपतियों को महत्व दिया और 'सूट-बूट की सरकार' के आरोप लगने पर अजेंडा बदलकर गांवों की ओर ध्यान दिया। आखिरकार, उनका बचपन और 50 वर्ष तक की आयु तो अधिकांश गरीब बस्तियों, गाँवों-जंगलों में घूमते हुए बीती है। फिर गरीबों की चिंता क्या किसी राजनीतिक दल और विचारधारा तक सीमित रहती है?

इसमें कोई शक नहीं कि नरेन्द्र मोदी के विचार दर्शन का आधार ज्ञान शक्ति, जन शक्ति जल शक्ति, ऊर्जा शक्ति, आर्थिक शक्ति और रक्षा शक्ति है। लगता है ।दिन-रात उनका ध्यान इसी तरफ रहता है। इसलिये भारत की ग्राम पंचायतों से लेकर दूर देशों में बैठे प्रवासी भारतीयों को अपने कार्यक्रमों, योजनाओं से जोड़ने मे उन्हें सुविधा रहती है। योग, स्वच्छ भारत, आयुष्मान भारत - स्वस्थ भारत , शिक्षित भारत जैसे अभियान सही अर्थों में भारत को शक्तिशाली और संपन्न बना सकते हैं। कोरोना महामारी से निपटने में में भारत की स्थिति दुनिया के अधिकांश संपन्न विकसित देशों से बेहतर रहने कि बात विश्व समुदाय मान रहा है । विशालतम आबादी के अनुपात में मृत्यु दर सबसे कम और कोरोना से प्रभावित होकर ठीक होने वालों की संख्या सर्वाधिक है । आतंकवाद से निपटने के लिए आतंकवादियों के खात्मे के साथ रचनात्मक रास्ता भी सामाजिक-आर्थिक विकास है। तभी तो नरेंद्र मोदी के प्रयासों से दुनिया भारत के साथ खड़ी है और कई इस्लामिक देश भी पाकिस्तान से दूर हो गए हैं । इसलिये राजनीति, विवाद, चुनौतियों से हटकर जननेता के रूप में नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्पों और सपनों के लिए इस बार भी जन्म दिन तथा अच्छे कार्यों पर उन्हें बधाई तथा शुभकामनाएं दी जानी चाहिये।

(लेखक पद्मश्री सम्मानित एवं एडीटर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष हैं)

स्मृति शेष
सीताराम येचुरी

राजनीति के साथ दिलों को जीतने का हुनर

■ इंद्रजीत सिंह

समय से पहले चले जाने वाली किसी असाधारण शख्सियत पर लिखना वास्तव में बहुत कठिन होता है। पांच दशकों तक सक्रिय राजनीतिक जीवन में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर अपनी छाप छोड़ने वाले सीताराम येचुरी केवल 72 वर्ष के ही थे। 12 सितंबर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से उनकी दुखद मृत्यु की खबर बड़े झटके जैसी थी। देश भर से शोक व्यक्त करने हेतु लोगों द्वारा सीताराम येचुरी के साथ जिस तरह से अपने अपने फोटो पोस्ट किये जा रहे हैं वह पुष्टि करता है कि वे जहां भी गए वहीं दिलों पर अपनेपन की छाप छोड़ आए। इन पंक्तियों के लेखक के उनसे समकालीन साथी के तौर पर 50 वर्ष सरोकार रहे। सीताराम येचुरी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष बने। साल 1975 में आपातकाल का विरोध करने पर दोनों गिरफ्तार हुए। पार्टी की जिम्मेदारियों के चलते साथ काम करने की लंबी अवधि गुजरी।

सीताराम येचुरी बहुप्रतिभावान व्यक्तित्व थे। उत्कृष्ट वामपंथी नेता, प्रखर विचारक, संवैधानिक बारीकियों के ज्ञाता थे। राज्य सभा में अपने बेहतरीन योगदान के लिए 2017 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ सांसद के पुरस्कार से नवाजा गया। कम्युनिस्टों की जो कट्टरता वाली परंपरागत छवि गढ़ कर बनाई जाती है उसको बदलते हुए एक असल उदारतावादी और मानवीय सरोकारों वाली पहचान स्थापित करने का श्रेय उन्हें अवश्य जाता है। बता दें कम्युनिस्टों को धर्म के विरुद्ध बताकर विभिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले लोगों के बीच उनकी छवि अकसर कट्टरवादी के रूप में गढ़ी जाती रही।येचुरी ने बीते दिनों अपने संबोधन में धर्म और राजनीति के बीच आवश्यक दूरी को जरूरी बताया था। उनके मुताबिक, 'धर्म और राजनीति के बीच में एक रेखा होती है। उसे लक्ष्मण रेखा माना जाना चाहिए। यदि उसका उलंघन होता है तो वह न केवल राजनीति बल्कि धर्म के लिए भी हानिकारक है। वे आगे कहते हैं कि धर्म हर व्यक्ति का निजी मामला होता है। धर्म आत्मा और परमात्मा के बीच का संबंध है। किस व्यक्ति का परमात्मा कौन है वह केवल उस व्यक्ति की आत्मा जानती है। आत्मा और परमात्मा के बीच में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं।'

कम्युनिस्ट होते हुए रामायण व महाभारत जैसे भारतीय पौराणिक ग्रंथों के लोकप्रिय संदर्भों को निकाल कर उन्हें समकालीन परिस्थितियों के साथ जोड़ कर प्रासंगिक बनाने में सीताराम येचुरी को महारत हासिल थी। भारतीय संविधान की बुनियादी प्रस्थापनाओं और सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर की गई समीक्षाओं को आधार बनाकर मौजूदा संदर्भों में व्याख्या करने के मामले में सीताराम येचुरी को संसद के भीतर और बाहर कोई हल्के में नहीं ले सकता था। राज्य सभा में जनतंत्र, आर्थिक स्थिति, धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रीय संप्रभुता, केन्द्र-राज्य संबंधों के स्वरूप और एक स्वतंत्र विदेश नीति को लेकर उनके भाषण आने वाले चुनौतीपूर्ण दौर में धरोहर से कम नहीं।सीताराम येचुरी की शख्सियत की तीसरी खासियत यह थी कि वे राजनीतिक दलों के बीच तालमेल बिठाने के एक ऐसे शिल्पकार थे जिसकी स्वीकार्यता सर्वमान्य रही। हाल की जटिलतम राजनीतिक परिस्थितियों में विभिन्न विचारधाराओं वाले दलों को साथ लाकर इंडिया गठबंधन की स्थापना करने जैसे कठिन काम को अंजाम देने में सीताराम येचुरी की भूमिका निर्णायक मानी जाती है। वैचारिक स्पष्टता और वचनबद्धता उनमें ऐसे गुण थे जिनकी बदौलत उन्हें अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच एक विश्वसनीयता प्राप्त थी।

प्रकाश करात और सीताराम येचुरी उस नई पीढ़ी के नेता थे जिन्होंने राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के पुरोधा ईएमएस नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, हरकिशन सिंह सुरजीत सरीखे कद्दावर नेताओं से जिम्मेदारी धारण करने का साहस दिखाया और इस दायित्व को बखूबी निभाया भी। कम्युनिस्ट पार्टियों में ऐसा इसलिए संभव हो पाता है कि ये पार्टियां सामूहिक कार्यपद्धति से संचालित होती हैं। हिंदी व अंग्रेजी में एक समान दक्षता से लिखने व बोलने वाले सीताराम येचुरी तेलुगू भाषी परिवार में पैदा हुए थे। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में वह लोकप्रिय वक्ता के रूप में जाने जाते थे। अर्थशास्त्र के विषय में उन्होंने स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री बतौर टॉपर सेंट स्टीफंस कॉलेज से की और जेएनयू में पीएचडी में प्रवेश लिया। छात्र संघ के अध्यक्ष बनने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर भारत के छात्र फेडरेशन के अध्यक्ष और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के केंद्रीय कमेटी और पोलित ब्यूरो के सदस्य रहते हुए गत दस साल से अब तक पार्टी के महासचिव रहे। एक जिंदादिल इंसान, काबिल विद्वान,देश की एकता और उसके इंसानों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए ताउम्र सक्रिय रहने वाले राजनेता सीताराम अलविदा!

महिलाओं ने गोद भराई कर किया आरती पूजन

विमान में सवार होकर माता यशोदा घाट पूजने पहुंची

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

नगर में डोल ग्यारस उत्सव की धूम रात भर देखी गई विद्युत रोशनी से जगमगाते डोल, भजनों व ढोलक पर थिरकते राधा कृष्ण और भक्त, अखाड़ों का हुजूम, और पूजन के लिए घर के सामने आरती की थाली हाथ में लिए महिलाएं... यह नजारा शनिवार शाम से लेकर देर रात तक डोल ग्यारस के अवसर पर नगर के हर चौक चौराहे पर देखने को मिला। प्राचीन परंपरा के अनुसार सिवनी मालवा के डोल उत्सव की धूम पूरे प्रदेश में रहती है परंपरागत ढंग से सिवानी मालवा नगर में डोल उत्सव मनाने की प्रथा चली आ रही है जिसका आज भी बड़ी धूम धाम और उत्साह और उमंग के साथ निर्वाहन किया जाता है। परंपरा अनुसार श्री राम जानकी क्षत्रिय मंदिर का विमान सर्वप्रथम निकाला जाता है। भगवान कृष्ण की जन्माष्टमी के बाद भादो मास की ग्यारस के दिन विमान में सवार होकर माता यशोदा घाट पूजने जाती हैं, इस दौरान महिलाएं माता यशोदा की गोदी भराई की रस्म करके भगवान कृष्ण की पूजा अर्चना की जाती है। नगर के घाट पर पहुंचने के बाद वहां पर पूजन आरती करके विमान वापस मंदिर चला जाता है। साल में एक बार होने वाले इस बड़े उत्सव को लेकर नगर की धर्म प्रेमी जानता द्वारा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए चाय नाश्ते और सल्फाहार की व्यवस्था की जाती है तो वही नगर पालिका के सामने धूनी वाले दादा जी दरबार के भक्तों द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पूरी रत

भंडारे का कार्यक्रम किया गया।

वहीं पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था रही सुरक्षा की व्यवस्थाओं का मोर्चा स्वयं थाना प्रभारी श्री मति उसा मरावी, एसडीओपी राजू रजक ने संभाल रखा था जिसकी वो लगातार मॉनीटिरिंग कर रहे थे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान का किया प्रचार प्रसार

भारत भर से पहुंचे साइक्लिंग के लिए प्रतिभागी, जमकर लुफ़्त उठाया साइक्लिंग ओर प्रकृति का

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं है, ओर मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और जिला प्रशासन लगातार पर्यटन को बढ़ावा देने एवं पर्यटकों का फुटफॉल बढ़ाने के लिए लगातार विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। इसी तारतम्य में इस वर्ष भी साइक्लिंग आयोजन की गतिविधि को किया गया। मढ़ई से तवा पर्यटन स्थल पर हर वर्ष अनुसार इस वर्ष भी मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, जिला प्रशासन द्वारा द जिप्सी एडवेंचर के सहयोग से मढ़ई साइक्लिंग टूर 2024 के तीसरे संस्करण का फ्लैग ऑफ 15 सितम्?बर को किया गया, फ्लैग ऑफ मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के सायुक्त संचालक (एडवेंचर टूरिज्म) डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव,क्षेत्रीय प्रबंधक मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (पचमढ़ी रीजन) ए यू ख़ान, सहायक संचालक के के मेहता ,पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर, मैनेजर बाइसन लॉज इलियाज़ ख़ान मैनेजर बाइसन लॉज द्वारा किया गया। उक्त साइकिलिंग टूर मे 40+ प्रतिभागयों द्वारा भाग लिया गया हैं। जिसमे दिल्ली, नागपुर, लखनऊ, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, मैहर ,नर्मदापुरम से प्रतिभागियों ने भाग लिया। उक्त साइकिल टूर एमपीटी बाइसन लॉज से प्रारंभ होकर सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के बफर जोन मढ़ई, परसापानी, तवा डैम होते हुए मढ़ई मे समाप्त हुआ। सभी साइक्लिंग प्रतिभागियों ने मौसम और सतपुड़ा की अदभुत प्रकर्ति का जमकर लुफ्त उठाया और मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और नर्मदापुरम जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया जो साइक्लिंग के तीसरे संस्करण का आयोजन किया गया। साथ ही स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत रास्ते मे पढ़ने वाले ग्रामो में साइक्लिंग करने वाले प्रतिभागियों ने ग्रामीणों से मिलकर उन्हें अभियान में शामिल होने और ग्रामो को साफ रखने की समझाइश दी।

राष्ट्र चिंतन की भावना को जन-जन में प्रेषित करने का प्रयास किया

दीक्षित ने हर धर्म जाति का सम्मान किया राष्ट्रीय चिंतन को जन जन तक प्रेषित किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले के प्रखर समाजसेवी एवं जन-जन के हित में हमेशा तत्पर रहने वाले सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के अध्यक्ष अरुण दीक्षित का जन्मदिन राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया की उपस्थिति में मनाया गया इस उपलक्ष में माया नारोलिया द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अरुण दीक्षित एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जिन्होंने हर समाज हर धर्म हर जाति का सम्मान करते हुए राष्ट्र चिंतन की भावना को जन-जन में प्रेषित करने का प्रयास किया आज उनके जन्मदिन पर उन्हें मैं हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित करती हूं कुछ समय पूर्व दीक्षित जी के परिवार पर एक गंभीर विपत्ति आई लेकिन संस्था के सदस्यों ने उनका हौसला बढ़ाते हुए उन्हें इतना सक्षम बनाया की बेटे की मृत्यु का सदमा वे सहन कर सके मैं सभी संस्था के सदस्यों का आभार व्यक्त करती हूं जो एक दूसरे की दुख सुख में अपनी सहभागिता निभाते हैं मोहम्मद अकरम खान कार्य कारी अध्यक्ष संरक्षक के एस राजपूत ने भी अरुण दीक्षित के व्यक्तित्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सहजसरल एवं कुशल व्यक्तित्व के वह एक ऐसे हस्ताक्षर है जिनके व्यवहार से हमारी संस्था के सदस्य जुड़ते चले गए संजय दुबे ने संबोधित करते हुए कहा कि उनके व्यक्तित्व के कारण ही रायपुर छत्तीसगढ़ पुलिस महा निरीक्षक भट्टाचार्य डीआईजीपुलिस इंदौर माथुर मुख्य वित्तीय सलाहकार द्विवेदी पूर्व मंत्री सरताज सिंह पूर्व विधायक अंबिका शुक्ला जी जिला कलेक्टर निशांत बरबड़े के साथ ही विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया था।

ग्वाल महासभा के नंदकिशोर यादव ललित यादव एवं अन्य पदाधिकारी द्वारा समाज के सर्वश्रेष्ठ सम्मान साफा बांधकर अरुण दीक्षित को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की कार्यक्रम में पुलिस उप अधीक्षक संतोष मिश्रारोहित फौजदार कपिल फौजदार अशोक दीबोलिया लखन रघुवंशी अश्वनी तिवारी मोहम्मद असलम भारती मोहम्मद आदिल फ़ाज़ली वरिष्ठ अधिवक्ता पवन अग्रवाल रूसिया डॉ मयंक तोमर प्रदीप द्विवेदी डॉक्टर सुरेंद्र जीत सिंह आशीष तिवारी राजस्थान मिष्ठान भंडार के संयोजक इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष चौहान गौरव सेठ महेंद्र रघुवंशी कृष्णा शर्मा संजीव शर्मा विनोद परसाई रमेश दुबे किरण शर्मा जय वाला निगम के साथ ही शहर केगणमान्य नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

आदर्श आवासीय विद्यालय में भूतपूर्व छात्रों का हुआ मिलन एवं शिक्षक सम्मान समारोह

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

आदर्श आवासीय विद्यालय तवा नगर में जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित है जिसमे सभी छात्र आवासीय परिसर में रहकर अध्ययन करते हैं। आदर्श आवासीय विद्यालय की स्थापना सन् 1986 के बाद विद्यार्थियों का प्रथम बैच सन 1989 में 12 वी परीक्षा उत्तीर्ण कर अलग-अलग क्षेत्रों में 1989 के बाद विद्यार्थी जो कि इस विद्यालय से पढ़कर निकले हैं जिनमें आईएस आफीसर , कृषि अधिकारी,डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक,लोको पायलट ,शिक्षा विभाग ,रक्षा विभाग, पुलिस विभाग,एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।इसी के चलते 15 सितंबर को सभी भूतपूर्व छात्र आदर्श आवासीय विद्यालय में एकत्रित हुए और विद्यालय में अध्ययन करने वाले छात्रों से प्रेरणा संवाद स्थापित किया साथ ही अपने गुरुजनों का सम्मान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य अपने सहपाठियों से मिलना एवं गुरुजनों का सम्मान करना था जिनकी शिक्षा से आज अच्छा मुकाम हासिल किया है।

कार्यक्रम में 245 से अधिक पूर्व छात्र सम्मिलित हुए एवं 20 से अधिक पूर्व एवं वर्तमान शिक्षकों का सम्मान किया एवं वर्तमान में अध्यनरत छात्रों को प्रोत्साहित किया सभी छात्रों ने अपना परिचय देते हुए बताया की किस तरह उन्होंने अपने विद्यालय दिवसों में पढ़ाई की थी जितनी अच्छी व्यवस्थाएं अब हैं उस समय इतनी अच्छी व्यवस्थाएं नहीं हुआ करती थी। विद्यालय का भवन नहीं हुआ करता था छात्रावास भवन नहीं था छोटे-छोटे क्वार्टर में छात्रावास था एवं वर्तमान में अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास में विद्यालय लगता था आज शासन की जनजाति छात्रों हेतु चल रही योजनाओं का लाभ लेकर आप अपने भविष्य को उज्जवल बनाएं।

एमपी ट्रांसको की वेबसाईट में पेंशनर्स के लिए डिजिटल लाईफ सर्टिफिकेट सुविधा प्रारंभ

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

एमपी ट्रांसको (मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) ने अपने वित्तीय प्रक्रियाओं में वर्तमान पेंशनरों और उनके आश्रितों के लिये ऑनलाईन सुविधाओं को आगे बढाते हुये अपनी अधिकृत वेबसाईट में कुछ नए फीचर्स डाले हैं। पेंशनर्स के लिये एम.पी. ट्रांसको में डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण पत्र) सेवा प्रारंभ की गई है। एम.पी. ट्रांसको के पेंशनर्स अब विश्व के किसी भी कोने से इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

एम.पी. ट्रांसको के मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री चेतन जायसवाल ने बताया कि लाइफ सर्टिफिकेट के लिये पेंशनर्स या उनके आश्रितों को एम.पी. ट्रांसको के किसी भी कार्यालय में आने की अनिवार्यता को पहले ही शिथिल कर दिया गया था। डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण पत्र) सुविधा अब वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। वेबसाइट के माध्यम से पेंशनर्स अपना पेंशन स्टेटस भी देख सकते हैं। वेबसाईट में अब पेंशनर्स की वर्तमान लाईफ सर्टिफिकेट की वैद्यता भी उपलब्ध है। जिससे वे समय पर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण पत्र) की प्रक्रिया कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त पेंशनर्स के लिये एम.पी. ट्रांसको की वेबसाईट पर अलग से बने टैब से ऑनलाइन पेंशन स्लिप निकालने की व्यवस्था उपलब्ध करा दी गई है। पेंशनर्स अपना आयकर फार्म-16 भी वेबसाईट से सीधे डाउनलोड कर सकते हैं। वर्तमान में यूनियन बैंक में एम.पी. ट्रांसको के सेवानिवृत्त कार्मिकों की पेंशन एवं फैमली पेंशन जमा होती है। फिलहाल एम.पी. ट्रांसको के 4285 पेंशनर्स के लिये यूनियन बैंक से यह सुविधा लिंक की गई है। भविष्य में इसे अन्य बैंको के साथ भी जोड़ा जायेगा।

मेट्रो एंकर

2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस समारोह मनाया जाएगा

प्रदेश के साथ ही जिले के सभी गाँवों में भी चलाया जाएगा स्वच्छता ही सेवा अभियान

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है और इसकी शुरुआत से ही स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस वर्ष स्वच्छ भारत मिशन की दसवीं वर्षगाँठ का सम्मान करने के लिए स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता की थीम के साथ 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस समारोह मनाया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि विगत 10 वर्षो में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में राज्य को कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आहवान पर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का पहला चरण 2 अक्टूबर 2014 को प्रारंभ हुआ और 2 अक्टूबर 2019 तक सरकार और जनता की सक्रिय भागीदारी से सभी ग्रामों को खुले मे शौच से मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया। इस अवधि में राज्य में 70 लाख से अधिक घरों में नए शौचालय बने, सभी ने शौचालय का नियमित उपयोग प्रारंभ किया जिससे सभी 51 हजार ग्राम तय समय से पहले खुले में शौच मुक्त घोषित हुए।

लोगों को इस अभियान से जोड़ने और जागरूक करने

के लिए व्यापक सामाजिक व्यवहार परिवर्तन की मुहिम चलाई गई, जिससे समाज के सभी वर्ग इस जन आंदोलन का हिस्सा बने। लोगों के स्वच्छता व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन के लिए 50 हजार से अधिक स्थानीय स्वच्छग्राहियों ने प्रेरक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाया। वर्ष 2020 से स्वच्छ भारत मिशन का दूसरा चरण प्रारंभ हुआ, जिसमे 2024 तक सभी ग्रामों को खुले में शौच से मुक्त बनाए रखते हुए ठोस और तरल अपशिष्ट के प्रबंधन द्वारा मोडल श्रेणी में ओडीएफ प्लस बनाने का लक्ष्य रखा गया। इसके लिए अब तक 8 लाख से अधिक नए शौचालय बने, 16 हजार से अधिक सामुदायिक स्वच्छता परिसर बनाए गए, 44 हजार से अधिक ग्रामों मे ठोस कचरे को प्रबंधित करने की सुविधाएं और 48 हजार से अधिक ग्रामों में तरल अपशिष्ट प्रबंधन की संपत्तियों को निर्मित करके राज्य के 41 हजार से अधिक ग्रामों को ओडीएफ प्लस मॉडल बनाया गया है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ग्रामों में 20 हजार से अधिक सेग्रगैशन शेड और 32 हजार से अधिक कचरा वाहन उपलब्ध कराये गये तथा 25 हजार से अधिक स्वच्छता मित्र इस कार्य में लगे हुए हैं और कार्यों के प्रबंधन हेतु 900 स्व-सहायता समूहों को संलग्न किया गया, जिससे उनकी आजीविका में वृद्धि हुई है। अब ग्रामों में भी मल कीचड़ प्रबंधन की सुविधाओं के लिए थ्ैज्च् (फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए डत्थ् (मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर बनाए जा रहे है और इसके लिए शहरी निकायों के साथ भी समन्वय किया गया है। पशुओं के गोबर से गोबर खाद और बायो गैस बनाकर समुदाय को लाभ पहुंचने के लिए गोबर्धन योजना से 100 से अधिक इकाइयां बनी। ओडीएफ प्लस मॉडल ग्रामों को बनाने की दिशा में प्रदेश अग्रसर है और समय पर अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए सतत प्रयासरत है।

नपा ने मवेशियों को रुकने के लिए बनाई अस्थाई गौशाला

सड़कों पर दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा

दूध निकाल कर छोड़ने वाले पशु पालकों पर होगा जुर्माना

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लंबे समय से भूख प्यास से तड़प रहे हैं मवेशियों के बारे में खबरों का प्रकाशन किया जा रहा था साथ ही सड़कों पर बैठे मवेशियों के कारण दुर्घटना भी हो रही थी इसके बाद एसडीएम ने खबर को संज्ञान में लेकर पिछले दिनों पुरानी डिपो में अस्थाई गौशाला बनाने के लिए नगर पालिका परिषद निर्देश दिए थे कुछ दिनों में इसका काम पूरा करवा कर अब यहां पर मवेशियों को रखने का कार्य भी प्रारंभ कर दिया है । इस वजह से सड़कों पर से मवेशियों की संख्या भी घटने लगी है। सड़कों पर आवारा रूप से घूम रहे मवेशियों को रखने के लिए पुरानी डिपो में अस्थाई रूप से गौशाला बनाई है जहां पर टूटे गेट को बदलकर गेट लगवा दिया गया है सड़कों पर बैठे मवेशियों को इस अस्थाई गौशाला में लाने के लिए नगर पालिका परिषद के द्वारा कर्मचारियों को तैनात किया गया है जो यहां से इनको लेकर इस गौशाला में पहुंचने कार्य कर रहे हैं। यहां पर पानी से लेकर अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है रात्रि भर इनको यहीं पर रखा जाता है दिन में फिर इनको यहां से जंगल में ले जाने की व्यवस्था भी की गई है ।

पिछले दिनों आवारा मवेशियों के को लेकर खबर का प्रकाशन किया था इसके बाद एसडीएम हर्षल चौधरी ने पुरानी डिपो में अस्थाई रूप से गौशाला बनाकर मवेशियों को रखने के लिए निर्देश भी जारी किए थे। इसके बाद नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू ने मवेशियों को यहां पर रखने के लिए व्यवस्थाएं करवा कर पुरानी डिपो के टूटे हुए गेट को बनवाया और पानी के लिए यहां पर जगह-जगह छोटी -छोटी टंकियां रखी गई है। कर्मचारियों को तैनात भी किया गया है जिनकी देखरेख में सभी व्यवस्थाएं हो रही है। यहां की साफसफाई भी कराई गई अस्थाई रूप से गौशाला संचालित होने से सड़कों पर बैठे मवेशियों के कारण हो रही दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी अभी रात्रि में मवेशी निराली आने पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थी साथ ही भूख प्यास से तड़प रहे मवेशियों को भी चारा पानी की व्यवस्था हो जाएगी इसके अलावा कई पशुपालकों के द्वारा दूध निकाल कर मवेशियों को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। ऐसे मवेशियों को भी नगर पालिका अस्थाई गौशाला में ले जाकर रखेगी फिर इन को छोड़ने के लिए चालान करके पशुपालकों से राशि भी लेगी नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू ने बताया कि हम एनाउंसमेंट में भी कर पशुपालकों को दूध निकाल कर मवेशियों को ना छोड़ने के हिदायत देंगे इसके बाद भी यदि छोड़ते हैं तो इनको हम अस्थाई गौशाला में रखेंगे जहां पर जो भी पशु मालिक लेने के लिए आएगी उनसे जुर्माना की राशि भी ली जाएगी सभी इंतजाम कर लिए गए हैं।

ग्राम पंचायतों द्वारा नियम विरुद्ध किया जा रहा वाउचर के माध्यम से हजारों लाखों का भुगतान

आन-लाइन होने के बाद भी किसी अधिकारी को क्यों दिखाई नहीं दे रहा ग्राम पंचायत द्वारा किया गया भुगतान

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

जिला सहित जनपद पंचायत में प्रशानिक लापरवाह कार्यप्रणाली के चलते सरपंच सचिव के द्वारा ग्राम पंचायतों में नये नये तरीके से किये जा रहे भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं,उन्हीं में से एक एक मामला यह भी है। जिस को लेकर अधिकारी बिल्कुल भी गंभीर नजर नहीं आते जिस का फायदा भ्रष्ट और भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव उठा रहे हैं, ग्राम पंचायतों में बाउचर के माध्यम से राशि का भुगतान किया जाता है। उक्त भुगतान बाउचर 10 हजार से कम की राशि का भराता है,और यदि 10 हजार से अधिक राशि का भुगतान बाउचर भर कर किसी को भुगतान किया जाता है तो वह वैध नहीं है। इस के अलावा भुगतान वाउचर पर कैश बुक नं प्राप्त करता के हस्ताक्षर भुगतान कर ने की दिनांक रशीदी टिकट लगाना होता है, लेकिन ग्राम पंचायत वाउचर के माध्यम से भुगतान करते समय नियमों का पालन नहीं करते बल्कि मनमर्जी से नियम विरुद्ध भुगतान करते हैं। गौशाला का संचालन ग्राम पंचायत करे या गौशाला समिति संचालन करें,व्यक्तिगत खाते में भुगतान नहीं किया जाता बाकायदा किसी को भी भुगतान करने से पूर्व ठहराव प्रस्ताव पारित किया जाता है। कैश बुक लिखी जाती है उस के बाद ही भुगतान किया जाता है। लेकिन अधिकतर ग्राम पंचायत ऐसा करना उचित नहीं समझती और अपनी जिम्मेदारियों का

निर्वहन करने की जगह मनमानी करती हैं,

उन्हीं ग्राम पंचायतों में से एक है ग्राम पंचायत बाढेर जहां पर नियम और कानून को ताक में रखकर हजारों लाखों रुपये का भुगतान वाउचरों के माध्यम से किया है। जिसे कोई देख ने बाला नहीं है नियम अनुसार पोर्टल पर जिस तरह से भुगतान वाउचर को अपलोड किया जाता है। ठीक उसी तरह ठहराव प्रस्ताव भी अपलोड किया जाता है,लेकिन ऐसा ग्राम पंचायत इस डर से इस लिये नहीं करती ग्राम पंचायत में किया जा रहा फर्जीवाड़ा सार्वजनिक हो जायेगा। ग्राम पंचायत द्वारा भुगतान हेतु जो वाउचर आन-लाइन अपलोड किया जाता है,वह बिना किसी रुकावट के पास हो जाता है, जिसका फायदा भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव खूब उठा रहे हैं और भ्रष्टाचार भी खूब फल-फूल रहा है।जिम्मेदार अधिकारी जिम्मेदारियां निभाने से बच रहे हैं ग्राम पंचायतों में सरपंच सचिव भ्रष्टाचार के इतिहास लिख रहे हैं, भ्रष्टों को सम्मान देकर सम्मानित किया जा रहा है

इस से अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और क्या हो सकता है।

समाचार पत्रों में ग्राम पंचायतों में फैले हुऐ भ्रष्टाचार की लगातार खबरें प्रकाशित की जा रही है,अधिकारी कर्मचारीयों राजनैतिक दबाव प्रभाव के चलते कार्यवाही करने से बच रहे हैं। एक बात और भी निकल कर सामने आई है ग्राम पंचायतों की वह ये कि लगभग हर एक ग्राम पंचायत में रोजगार सहायक को नियुक्त किया गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार अधिकांश ग्राम पंचायतों में रोजगार सहायक के आई डी पासवर्ड सरपंचों ने अपने सचिवों को जनपद पंचायत से दिला रखे हैं। ताकि हर बात की जानकारी रोजगार सहायक को पता नहीं चले और अंदर ही अंदर सरपंच सचिव खेल करते रहें।

बरखेड़ा माखू के सरपंच सचिव के विरुद्ध आज तक कार्यवाही करने से अधिकारी बच रहे हैं,और ग्राम पंचायत बाढेर का जांच आदेश कागजी खानापूर्ति साबित हुआ है।

वयोवृद्ध पति-पत्नी तीर्थ दर्शन के लिए स्पेशल ट्रेन से हुए रवाना

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

काशी वाराणसी अयोध्या जाने की इच्छा मन में लिए सिरोंज के वार्ड 16 में निवासरत 62 वर्षीय श्री बलराम जाटव और उनकी 50 वर्षीय पत्नी श्रीमती रामश्री जाटव मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना तहत तीर्थ दर्शन के लिए स्पेशल ट्रेन से रवाना हुए हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना तहत चिन्हित हो जाने पर हितग्राही पति-पत्नी ने मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा है कि वयोवृद्धों के लिए तीर्थ दर्शन करने की इच्छा होती है परंतु आर्थिक बोझ के चलते तीर्थ करने नहीं जा पाते हैं। तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से हजारों वृद्धों के लिए तीर्थ दर्शन करने के लिए चलाई जा रही है योजना वरदान साबित हुई है तीर्थ यात्री स्पेशल ट्रेन के माध्यम से शासन के खर्च पर तीर्थ दर्शन कर रहे हैं। तीर्थ यात्रियों के लिए शासन द्वारा भोजन, चाय और नाश्ता के प्रबंध भी सुनिश्चित किए गए थे। साथ ही तीर्थ यात्रियों के साथ अनुरक्षक भी रवाना हुए हैं।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत काशी वाराणसी अयोध्या रवाना होने से पहले शनिवार की रात्रि में रेलवे स्टेशन पर स्पेशल ट्रेन का इंतजार कर रहे विदिशा जिले के कराई खेड़ा सिरोंज निवासी 74 वर्षीय अजब सिंह प्रसन्न मुद्रा में बैठे हुए थे। तीर्थ दर्शन के लिए जाने की खुशी उनके चेहरे पर अलग ही दिखाई दे रही थी। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा वयोवृद्ध गरीबों के लिए तीर्थ दर्शनों की यह योजना सराहनीय कार्य है। इस योजना से हजारों वयोवृद्ध तीर्थ दर्शन कर पा रहे हैं। जिनमें वह भी शामिल हैं।हितग्राही अजब सिंह अपनी पत्नी 70 वर्षीय अवंताबाई के साथ काशी वाराणसी अयोध्या तीर्थ दर्शन के लिए स्पेशल ट्रेन से रवाना हुए हैं। विदिशा के रेलवे स्टेशन पर उन्होंने बताया कि उन्हें काशी वाराणसी अयोध्या तीर्थ दर्शनों के लिए जाना था जब उन्हें मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की जानकारी लगी तो उन्होंने त्वरित ही आवेदन किया और वह तीर्थ दर्शन के लिए चिन्हित भी हो गए। उन्होंने तीर्थ दर्शन के लिए जाने से पहले इस योजना के लिए मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पुल पर रेडियम संकेतक लगाए तथा गड्ढों की मरम्मत की गई

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो। -

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को बासौदा भ्रमण के दौरान नदियों के घाटों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर रेडियम, संकेतक लगाने तथा सड़कों की मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए थे। प्राप्त निर्देशों के परिपालन में बासौदा एसडीएम श्री विजय राय ने बताया कि आज रविवार को एमपीआरडीसी विभाग के माध्यम से गिरोद बासौदा मार्ग पर स्थित बर्री पुल पर रेडियम, संकेतक लगाए जाने तथा सड़क पर स्थित गड्ढों की मरम्मत की कार्यवाही कराई गई।

मेट्रो एंकर

डोल ग्यारस पर जल विहार करने निकले ठाकुर जी

झांकियों के दर्शनों को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

डोल ग्यारस महोत्सव नगर में परंपरागत रूप से मनाया गया। इस अवसर पर नगर के प्राचीन मंदिर के श्री रामलला एवं मदनमोहन सरकार सहित सभी समाजों एवं प्रमुख मंदिरों के विमान में ठाकुर जी ने जल बिहार किया। जल झूलनी एकादशी को भव्यता प्रदान करने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में स्थानीय नगरपालिका परिषद ने पचकुइया स्थित कपिथ्य गंगा केथन नदी पर घाट पर आने वाले भगवान के विमानों के ठहराव एवं श्रद्धालुओं की सुविधा की लिए व्यापक तैयारियां की गई थी। घाट पर आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ रंगोली एवं रंगविरंगी रोशनी से सुसज्जित फब्बारा लगाया गया था। प्रशासन की महोत्सव को लेकर पूर्व से की गई तैयारियों से इस बार केथन नदी में निर्मल स्वच्छ जल दिखाई दिया। इसके अलावा संपूर्ण विमानों के यात्रा मार्ग पर भी विशेष स्वच्छता की गई थी। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू परिषद के सदस्यों एवं प्रशासन के साथ व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के लिए सक्रिय दिखाई दिए। गणेश की अंथाई पर हुई विमानों का पूजा - परंपरागत रूप से जल विहार के लिए विमानों का गणेश की अंथाई से होकर केथन नदी के घाट पर पहुंचते हैं। गणेशोत्सव के दौरान यहां गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है हमेशा की तरह ज्योतिषाचार्य एवं गणेश मंदिर के प्रधान पुजारी नलिनीकांत शर्मा के परिवार की ओर से सभी विमानों की पूजा अर्चना कर डोल में शामिल श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान सभी को खीर की प्रसादी का भी वितरण किया गया। इसके अलावा यहां आयोजित हो रहे गणेशोत्सव में जल झूलनी एकादशी के उपलक्ष्य में भगवान राधाकृष्ण की झांकी में नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की गई। जिसका अवलोकन करने के लिए सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती दिखाई दी। इस दौरान विशेष सज्जा भी की गई थी। यहां आयोजन की व्यवस्था गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने संभाल रखी थी।इस अवसर पर प्रमुख रूप से दीनदयाल शर्मा,शिवकुमार मिश्रा,सर्वेश शर्मा, नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ,लक्ष्मण कटियार, बलजीत यादव, रामबाबू प्रजापति, देवेश वशिष्ठ,सचिन शर्मा, सौरभ रावल आदि शामिल रहे।

रामलाल मंदिर का विमान रहा आकर्षण का केंद्र - परंपरागत रूप से निकलने वाले डोलो में इस बार प्राचीन मंदिर श्री रामलला सरकार का विमान आकर्षण का केंद्र रहा। इस बार मंदिर समिति ने शहर के दानदाताओं के सहयोग से भगवान के लिए जयपुर के कारीगरों से चांदी का रथ तैयार करवाया है। डोल ग्यारस पर रामलला सरकार रथनुमा विमान में सवार होकर धूमधाम के साथ घाट पर पहुंचे। यहां पूजा अर्चना उपरांत प्रसादी का वितरण किया गया।

शास. मॉडल उमावि लटेरी की प्राचार्य का पैर दबवाते हुए वीडियो वायरल

क्या होगी कार्रवाही या फिर लीपापोती

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

लटेरी के शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य, जो स्कूल में अपने पैर दबवाते हुए वीडियो में दिख रही हैं, न केवल शिक्षक के आदर्शों का अपमान किया है, बल्कि संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था को बदनाम कर दिया है। दोपहर मेट्रो इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है, यह घृणित कृत्य उस सरकारी तंत्र की लापरवाही को उजागर करता है, जो मौन होकर ऐसी घटनाओं को नजर अंदाज कर रहा है। स्थानीय नेताओं की चुप्पी और प्रशासन की निष्क्रियता ने इस मामले को और शर्मनाक बना दिया है। क्या यही वो विकसित शिक्षा तंत्र है, जिसका हमसे वादा किया गया था ? जब एक शिक्षण संस्थान का प्रधान शिक्षक अपने पद और नैतिकता को भूल कर ऐसा काम करता है, तो यह उस पूरे सरकारी ढांचे पर सवाल खड़े करता है जो इस प्रकार के आचरण को बढ़ावा देता है। यह पहली बार नहीं है ! कुछ समय पूर्व इसी स्कूल में एक और घटना घटी थी, तब तत्कालीन प्राचार्य की कार्यशैली, उनकी देशभक्ति, और धर्म को लेकर कई तरह के प्रश्न उठाए गए थे। उस समय बुद्धिजीवियों और तथाकथित ज्ञानियों ने उस शिक्षक को जिम्मेदार ठहराते हुए अनेक भाषण दिए थे, और कर्तव्यों का पाठ पढ़ाया था। अब जब ऐसी घिनौनी घटना सामने आई है, तो वे सब क्यों खामोश हैं ? क्या उनके पास अब कोई तर्क नहीं है या यह घटना उनके पक्ष के लोगों से जुड़ी होने के कारण जानबूझकर नजर अंदाज की जा रही है ?

एड. सुनील कुमार आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता विदिशा ने मांग की है - तत्काल कार्रवाई इस मामले की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषी प्राचार्य को निलंबित किया जाए।दोहरे मापदंड पर सवालरू उन तथाकथित ज्ञानियों और नेताओं को भी जवाब देना चाहिए, जो पहले नैतिकता का पाठ पढ़ाते थे, लेकिन अब चुप्पी साधे हुए हैं। अविलंब सुधार शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और इस प्रकार की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इनका कहना है -

मेरे पैर में चोट लग गई थी में सिर्फदर्द निवारक लगवा रही थी वोह भी सफाई कर्मी ने अपनी मर्जी से मेरी तकलीफदेखकर लगाया था, में पैर नहीं दबवा रही थी

खुशबू मदोरिया प्राचार्य

उत्तर प्रदेश बनेगा फुटबॉल हब, बनाए जाएंगे 18 स्टेडियम

57 हजार ग्राम पंचायतों में होंगे खेल मैदान

लखनऊ. एजेंसी

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को मेजर फुटबॉल हब बनाने की योजना बना रही है। इसके तहत यूपी में 1000 से ज्यादा खेल मैदान और 18 स्टेडियम बनाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि फुटबॉल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 100 करोड़ रुपए तक का इजाफा हो सकता है। बीते सप्ताह यहां केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच खेले गए फुटबॉल मैच के दौरान योगी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय फुटबॉल संघ (एआइएफएफ) की अपेक्षा के अनुसार राज्य में फुटबॉल के एक हजार मैदान विकसित किए जाएंगे।

825 ब्लॉक में बनेंगे मिनी स्टेडियम

सीएम योगी के अनुसार, प्रदेश के 825 ब्लॉक में एक-एक मिनी स्टेडियम और 75 जिलों में एक-एक स्टेडियम बनाने का काम प्रगति पर है। उत्तर प्रदेश सरकार कार रेसिंग और बाइक रेसिंग को बढ़ावा देने के लिए काफी काम कर रही है। खेलों को प्रमोट करने के लिए ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेताओं को सरकारी नौकरी भी दी जाती है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्पोर्ट्स मिशन से प्रेरणा लेते हुए हम उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में 57 हजार ग्राम पंचायतों में एक-एक खेल का मैदान तैयार करेंगे।एआइएफएफ ने बेहद कम समय में यूपी से मोहन बागान और ईस्ट बंगाल मैच की मेजबानी करने का आग्रह किया था। जब एआइएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे सीएम योगी से मिले थे तो उन्हें बेहतरीन सुविधाएं देने का आश्वासन दिया था। तीन सप्ताह में उन्होंने यह कर दिखाया।

युवा सितारा-17 वर्षीय अनमोल ने जीता खिताब

ल्यूवेन (बेल्जियम). भारत की 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय महिला एकल खिताब जीता। उन्होंने यहां खेले गए बेल्जियम इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में डेनमार्क की एमीलिया स्कल्ज को तीन सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 24-22, 12-21, 21-10 से शिकस्त दी और खिताब जीत लिया।

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज, दो दिन बाद मुकाबला

ईशान की वापसी संभव, पंत नहीं खेले तो विचार होगा

नईदिल्ली, एजेंसी

विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन जो 9 महीने से बाहर चल रहे थे उनके लिए टीम इंडिया में वापसी के रास्ते खुलते नजर आ रहे हैं। क्योंकि, भारतीय सिलेक्टर्स उपकप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत जैसे प्लेयर्स को बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज से वर्कलोड मैनेजमेंट पोलिसी के तहत आराम देने पर विचार कर रहे हैं। यदि पंत को आराम दिया जाता है, तो किशन के नाम पर विचार किया जा सकता है। रविवार को एक सूत्र के हवाले से लिखा- शुभमन गिल सहित कुछ सीनियर प्लेयर्स को 6 अक्टूबर से शुरू हो रही टी-20 सीरीज से आराम दिया जाएगा। गिल, बुमराह, पंत और सिराज बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट का हिस्सा हैं। भारत का बिजी शेड्यूल आने वाले समय में भारत को 10 टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से 5 टेस्ट मैच घरेलू मैदानों पर होंगे। भारत बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। फिर 5 टेस्ट मैच खेलने ऑस्ट्रेलिया जाएगी। बांग्लादेश से टी-20 और न्यूजीलैंड से सीरीज में महज 3 दिन का गैप है। बांग्लादेश सीरीज के मैच 7 को ग्वालियर, 10 को दिल्ली और 13 अक्तूबर को हैदराबाद में खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज 16 अक्टूबर से शुरू होगी।

गिल, पंत, बुमराह और सिराज टेस्ट के लिहाज से अहम

भारतीय टेस्ट टीम में नंबर-3 पर बैटिंग करते हैं। गिल रोहित शर्मा, विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल के साथ टीम के टॉप ऑर्डर का अहम हिस्सा हैं। ऋषभ पंत का वर्कलोड चयनकर्ताओं के लिए अहम है और टेस्ट में उनकी जरुरत सबसे ज्यादा है। क्योंकि भारत को अभी 10 टेस्ट खेलने हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह टीम के लीड गेंदबाज हैं। पिछले साल चोट से वापसी करने के बाद लगातार मैच खेल रहे हैं। उन्हें आराम देना जरूरी है। मोहम्मद सिराज बुमराह के जोड़ीदार हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम साबित होंगे। ऐसे में उन्हें भी तरोताजा रखना जरूरी है। इधर, टेस्ट-वनडे पर फोकस, टी-20 की प्रियारिटी कम इस सीजन में टी-20 भारतीय टीम के लिए सबसे कम महत्वपूर्ण है। वहीं, वनडे और टेस्ट क्रिकेट टीम की टॉप प्रियरिटी पर हैं, क्योंकि भारत को अगले साल फरवरी में वनडे में चैंपियंस ट्रॉफी और जून में टेस्ट में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप काफाइनल खेलना है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर बात करते हुए कहा कि फेवरेट तो हम ही हैं, उन्हें चिंता होनी चाहिए।

नीरज और पवन शर्मा को डबल खिताब

29वीं रिलायंस ट्रॉफी इंटर प्रेस बैडमिंटन टूर्नामेंट

भोपाल. दोपहर मेट्रो

नीरज मिलन और पवन शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भोपाल खेल पत्रकार संघ द्वारा आयोजित 29वीं रिलायंस ट्रॉफी इंटरप्रेस बैडमिंटन में डबल खिताब जीते। नीरज ने फाइनल में पहले तो रामकृष्ण यदुवंशी को 21-18, 21-17 से हराकर सिंगल खिताब जीता और बाद में डबल्स फाइनल में रामगोपाल को साथ लेकर रामकृष्ण यदुवंशी- रोशनलाल की जोड़ी को 17-21, 21-17, 21-18 से हराकर डबल खिताब जीते। ओपन कैटेगरी में आर्यन शर्मा चैम्पियन बने हैं। उन्होंने फाइनल में आर्यन उपाध्याय को हराया। पवन शर्मा मेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में चैम्पियन बने। वुमंस कैटेगरी में यूवी ने तिहरे खिताब जीते। जबकि रितिका पवार और यूवी की जोड़ी डबल्स में चैम्पियन बनीं। टीटी नगर स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में आयोजित इस तीन दिनी टूर्नामेंट में शहर के 150 से ज्यादा मीडियाकर्मियों ने भागीदारी की। प्रतियोगिता का समापन व पुरस्कार वितरण एम्स के चीफ स्पाइन सर्जन डा. वीरेंद्र वर्मा, डिप्टी सेक्रेट्री वित्त विवेक घारु, भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मुमताज खान ने किया। इस दौरान मप्र कयाकिंग केनोइंग संघ के अध्यक्ष पीएस बुंदेला और भोपाल तैराकी संघ के सचिव रामकुमार खिलरानी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीनियर कमेंटेटर दामोदर प्रसाद आर्य ने किया। भोपाल खेल पत्रकार संघ के तत्वावधान में सीजन का दूसरा टूर्नामेंट इंटर प्रेस टेबल-टेनिस इसी महीने के आखिरी सप्ताह में आयोजित होगा।

फाइनल परिणाम एक नजर में

मेंस सिंगल: नीरज मिलन विवि रामकृष्ण यदुवंशी 21-18, 21-17,
मेंस सिंगल ओपन: आर्यन शर्मा विवि आर्यन उपाध्याय 21-19, 22-20
वुमंस सिंगल: यूवी विवि प्रिया अग्रवाल 21-11, 21-15
मेंस डबल्स: नीरज मिलन- रामगोपाल विवि रामकृष्ण यदुवंशी-रोशनलाल 17-21, 21-17, 21-18
मेंस डबल्स ओपन: पवन शर्मा- सुनील पंड्या विवि सचिन रावत-अमित पवार 21-19, 17-21, 22-20
वुमंस डबल्स: रितिका-यूवी विवि भूमिका-सोनिया 21-15, 21-10

टेनिस डेविस कप: बालाजी और रामकुमार को मिली शिकस्त

स्टॉकहोम. एजेंसी। भारत की डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप-1 में स्वीडन के खिलाफ शुरुआत बेहद ही निराशाजनक रही। शनिवार को भारत के एकल टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन और श्रीराम बालाजी को हार का सामना करना पड़ा। बालाजी को पहले एकल मुकाबले में स्वीडन के खिलाड़ी एलियास यामेर के खिलाफ 4-6, 2-6 से शिकस्त झेलनी पड़ी। इसके बाद खेले गए दूसरे पुरुष एकल मुकाबले में रामनाथन ने भी निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारतीय खिलाड़ी को लियो बोर्ग के खिलाफ 3-6, 3-6 से हार मिली। इन दो हार से भारतीय टीम स्वीडन के खिलाफ 0-2 से पिछड़ गई है।

भारतीय कंपनियों की हो रही घर वापसी छोटे निवेशकों ने घुमाया समय का चक्र

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी

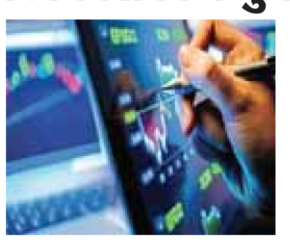

एक समय था जब भारतीय कंपनियों में सिंगापुर और दुबई जैसी जगहों पर बैठकर कारोबार करने की होड़ मच गई थी. ये कंपनियां काम तो भारत में कर रही थीं लेकिन, अपने हेडक्वॉर्टर देश के बाहर बनाकर बैठी थीं. अब भारतीय इकोनॉमी और स्टॉक मार्केट की उछाल ने उन्हें घर वापसी के लिए उत्साहित कर दिया है. भारतीय कारोबारी अब भारत में ही कंपनी बनाकर यहां कारोबार करना चाहते हैं. जेरोधा के सीईओ नितिन कामत इसे घर वापसी कहते हैं. उनका कहना है कि छोटे निवेशकों ने जबरदस्त निवेश कर ऐसी कंपनियों को घर वापसी पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है. समय का पहिया अब घूम चुका है. कामत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि तीन साल पहले मैंने कहा था कि भारतीय कंपनियां देश के बाहर बैठकर भारत के लिए काम करना चाहती हैं. यह एक बड़ी समस्या थी. अब टेबल टर्न हो चुकी है. चीजें बदल रही हैं. देश के स्टॉक मार्केट में रिटेल इनवेस्टर्स की भागीदारी तेजी से बड़ी है. साल 2020 में रिटेल इनवेस्टर्स 3 करोड़ थे, जो अब 10 करोड़ से भी ज्यादा हो चुके हैं. कामत ने कहा कि कंपनियों में स्टॉक मार्केट पर उतरने की होड़ मची हुई है. कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने भी भारतीय कंपनियों की घर वापसी या रिवर्स फ्लिपिंग को आसान बना दिया है. कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने एक दिन पहले ही कंपनी एक्ट में बदलाव करते हुए चीजें बेहतर कर दी हैं. अब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की अनुमति के साथ ही केंद्र सरकार की भी मंजूरी के नियम बदले गए

यात्री वाहनों की थोक बिक्री 2 फीसदी तक घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री अगस्त में सालाना आधार पर लगभग 2 फीसदी घट गई. मांग में गिरावट के बीच डीलरों के पास भंडार को कम करने के लिए कंपनियों ने आपूर्ति घटा दी, जिसके चलते थोक बिक्री कम हुई. उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के आंकड़ों के मुताबिक घरेलू बाजार में डीलरों के भेजी गई कुल यात्री वाहनों की खेप पिछले महीने सालाना आधार पर 1.8 फीसदी घटकर 3,52,921 इकाई रही. यह आंकड़ा अगस्त 2023 में 3,59,228 इकाई था. आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री नौ फीसदी बढ़कर 17,11,662 इकाई हो गई. यह आंकड़ा एक साल पहले इसी अवधि में 15,66,594 इकाई था. पिछले महीने स्कूटर की थोक बिक्री 10 फीसदी बढ़कर 6,06,250 इकाई हो गई, जो अगस्त 2023 में 5,49,290 इकाई थी.

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पत्रलेखा बोलीं- सिर्फ राजकुमार राव की वाइफ नहीं, मेरी खुद की भी पहचान है

हाल ही में वेब सीरीज 'आईसी- 814 कंधार हाईजैक' की रिलीज के साथ चर्चा में आई एक्ट्रेस पत्रलेखा ने एक इंटरव्यू में कहा कि वो राजकुमार राव की वाइफ के टैग से दूरी बनाकर खुद की पहचान बनाना चाहती हैं। पत्रलेखा ने अपने दम पर इंडस्ट्री में नाम कमाने की चाहत और स्ट्रगल के बारे में भी बात की। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और राजकुमार राव अपने प्रोजेक्ट्स पर बात करते हैं, तो पत्रलेखा ने कहा, अक्सर ऐसा नहीं होता, क्योंकि कई बार स्क्रिप्ट इतनी बेहतरीन होती है या निर्देशक ऐसे होते हैं जिनके साथ काम करना ही होता है, तो बिना कुछ कहे या डिस्कस हामी भर देते हैं। हां, जब कभी दुविधा होती है, तब हम जरूर डिस्कस करते हैं। इस बात की खुशी है कि हम एक ही इंडस्ट्री से हैं। बातचीत के दौरान, पत्रलेखा ने खुलासा किया कि उन्हें कई बार राजकुमार राव की वाइफ के टैग से प्रोजेक्ट्स ऑफर होते हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस टैग से बहुत तकलीफ होती है। मैं ज्यादा कोशिश करती हूं कि मैं अपना स्पेस बनाऊं और खुद को इतना मजबूत कर लूं कि कोई कुछ ना बोल पाए। मैं उनके कंधों पर बैठकर अपना नाम नहीं बनाना चाहती हूं। इसी वजह से मैं अपने होमटाउन, शिलॉन्ग से निकल गई थी क्योंकि मैं अपने पापा के कंधों पर बैठकर भी अपना नाम नहीं बनाना चाहती थी। उन्होंने आगे कहा, ये कोई फेमिनिज्म वाली बात है या नहीं, लेकिन मुझे इस टैग से प्रॉब्लम है, मैं इस टैग से दूर भागती हूं। नहीं तो मैं बहुत सारे प्रोजेक्ट्स कर सकती थी, है ना? पर मैं उनके कंधों पर बैठकर अपना नाम नहीं बनाना चाहती हूं। उन्होंने बताया, हमारी पर्सनालिटीज अलग हैं, लेकिन बहुत सेम भी हैं। मुझे याद भी नहीं कि हमने आखिरी बार कब फाइट किया था। हम झगड़ा नहीं करते। हां, हमारे ओपिनियंस अलग होते हैं, पर इतने सालों से हम साथ हैं कि अब एक अंडरस्टैंडिंग हो गई है। मुझे समझ में आता है कि उन्हें क्या अच्छा नहीं लगता और मैं उस पर बात नहीं करती।

फिल्म 'देवरा' में काम करने को लेकर सैफ अली खान ने साझा किया अपना अनुभव

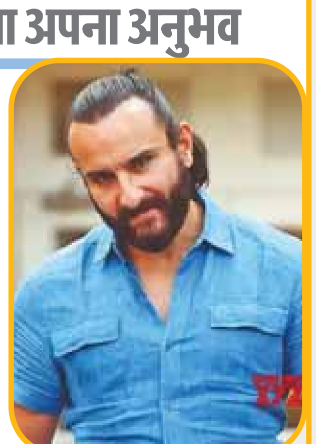

देवरा फिल्म से सैफ अली खान तेलुगु फिल्मों में अपना डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म के दौरान उन्होंने दो पेज लंबे संवाद बोले हैं। फिल्म में काम करने के अपने अनुभवों को लेकर अब अभिनेता ने बात की है। सैफ अली खान बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता हैं। उन्होंने बीते कई वर्षों से लगातार दर्शकों का मनोरंजन किया है। हिंदी फिल्मों में अपनी एक अलग पहचान हासिल करने के बाद अब वह अन्य भाषा की फिल्मों को भी वरीयता दे रहे हैं। इस क्रम में उन्होंने हाल में ही तेलुगु भाषा की आगामी फिल्म देवरा से तेलुगु फिल्मों में डेब्यू किया है। इस फिल्म में वह साउथ के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर के साथ नजर आने वाले हैं। हाल में ही अभिनेता ने इस फिल्म से जुड़ने और इसमें काम करने का अपना अनुभव साझा किया है।

सैफ को तेलुगु में संवाद बोलने को लेकर थी संशय : सैफ ने कहा कि वह फिल्म की शूटिंग के पहले दिन काफी नर्वस थे। इस फिल्म में वह एनटीआर के किरदार देवरा के सामने भैरव बन कर चुनौती पेश करने वाले हैं। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ बातचीत के दौरान, जूनियर एनटीआर और कोराताला शिवा ने खुलासा किया कि उन्हें इस फिल्म के लिए ओमकारा की वजह से चुना गया। इस बीच सैफ ने बताया कि वो इस फिल्म के लिए शिवा द्वारा कहानी सुनाने की वजह से राजी हुए, लेकिन वह तेलुगु में अपने संवाद बोलने को लेकर संशय में थे।

शूटिंग के पहले दिन घबराए हुए थे सैफ: अभिनेता ने कहा कि शूटिंग के पहले दिन वह काफी घबरा गए थे। उन्होंने कहा, फ्रपहले दिन, मुझे एक महिला से ये संवाद बोलने थे, जो अपना किरदार निभा रही थीं। मुझे कुछ संवाद सुनाए गए और मैंने कहा कि मैं कोशिश करूंगा और इसे बोलूंगा। मेरी पीठ से पसीना बहने लगा और मुझे काफी रोमांच महसूस हुआ, जो मैंने लंबे समय से महसूस नहीं किया था। यह मेरे लिए एक नई चीज की तरह थी और मैं घबरा गया था। मुझे लगा था कि मैं इसे ठीक से नहीं कर पाऊंगा।

'कॉल मी बे' के सह-कलाकार गुरफतेह के लिए अनन्या पांडे ने कहा- 'वो अकेले ही मरेंगे'...

'कॉल मी बे' स्टार अनन्या पांडे और गुरफतेह पीरजादा इन दिनों चर्चा में हैं। इस सीरीज में दोनों के बीच लवस्टोरी को दिखाया गया है। सीरीज के बाद से वह दोनों चर्चा में हैं। अनन्या इसी सीरीज में अपने सह-कलाकार को लेकर राय रखती हैं कि वह अकेले ही मेरेंगे। 'कॉल मी बे' स्टार अनन्या पांडे और गुरफतेह पीरजादा इन दिनों अपनी सीरीज और बयानों के कारण चर्चा में हैं। इस सीरीज में दोनों के बीच लवस्टोरी को दिखाया गया है। बातचीत के दौरान गुरफतेह पीरजादा ने एक बात का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि अनन्या सीरीज में अपने सह-कलाकार को लेकर अजीब सी राय रखती हैं। उनका मानना है कि वह अकेले ही मेरेंगे। गुरफतेह पीरजादा ने हाउटरफ्लाई से बातचीत में अपने रिलेशनशिप और डेटिंग लाइफ के बारे में खुलकर बात की। बातचीत के दौरान, गुरफतेह पीरजादा ने अपनी कॉल मी बे को-स्टार अनन्या पांडे के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि अनन्या के साथ काम करना 'बहुत मजेदार और बहुत अच्छा' था लेकिन कई अन्य लोगों की तरह, उन्हें भी समझ नहीं आता कि वह किसी को डेट क्यों नहीं कर रहे हैं। इसलिए, शो की शूटिंग के दौरान एक बार अनन्या ने उनसे पूछा तो अब आप किसे डेट कर रहे हैं। इस सवाल पर, अभिनेता न में उत्तर दिया। इस पर गुरफतेह के अन्य प्रशंसकों की तरह ही अनन्या ने भी पूछा, 'आप सिंगल कैसे हो सकते हैं?' और उन्होंने कहा, 'आप हो सकते हैं।' इस बारे में विस्तार से बताते हुए, गुरफतेह ने कहा, मुझे सिंगल रहना अच्छा लगता है, मैं खुश हूं लेकिन जाहिर तौर पर वह सोचती है कि मैं अकेले ही मर जाऊंगा। बताता चलें कि कॉल मी बे 6 सितंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। इस सीरीज से अनन्या पांडे ने अपना ओटीटी डेब्यू किया है। इसका निर्देशन कॉलिन डी कुन्हा ने किया है और इस सीरीज में कुल आठ एपिसोड हैं। इसका निर्माण धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है, जिसमें करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा कार्यकारी निर्माता हैं।

एटीएम मशीन लूटने के प्रयास का मामला पीएसटीएन डेटा से आरोपियों तक पहुंचेगी पुलिस

3-4 सितंबर की रात पुलिस ने किया पीछा तो गाड़ी के सामने फेंका था सिलेंडर, रुनाहा से महानीम चौराहा की तरफ भागे थे आरोपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित रुनाहा में 3-4 सितंबर की तड़के एटीएम में लूटपाट के इरादे से पहुंचे बदमाशों का अब तक सुराग नहीं लग सका है। पुलिस रुनाहा से लेकर महानीम चौराहा तक सीसीटीवी कैमरे की तलाश कर चुकी है, पर कुछ पता नहीं चल सका। वारदात तड़के होने के कारण रुनाहा से महानीम चौराहा तक आवाजाही कम थी। लिहाजा अब आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस पब्लिक स्वीच्ड टेलीफोन नेटवर्क (पीएसटीएन डेटा) निकाल रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के पास मोबाइल जरूर होंगे और उन्होंने इस्तेमाल भी किया होगा।

उल्लेखनीय है कि रुनाहा स्थित स्टेट बैंक एटीएम में 3-4 सितंबर के तड़के कार सवार दो बदमाशों ने एटीएम में लूटपाट का प्रयास किया था। एक बदमाश कार में बैठा था, जबकि दूसरा नकाबपोश एटीएम तक पहुंचा। एटीएम का गार्ड अंदर था और गेट लॉक था। उसने गेट खटखटाया, तभी पुलिस की गाड़ी का हूटर सुनाई दिया और वह उल्टे पैर कार में बैठकर भाग निकला। एटीएम के गार्ड ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने कार का पीछा किया, लेकिन कार के सामने पुलिस की एफआरवी बौनी साबित हो गई। बैरसिया की तरफ भाग रहे कार सवारों को दबोचने बैरसिया पुलिस की सहायता ली गई और बैरसिया पुलिस की थाना मोबाइल गाड़ी ने सड़क पर कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन थाना मोबाइल की गाड़ी को भी कट मारकर आरोपी भाग निकले। बैरसिया पुलिस ने श्मशाबाद तक उनका पीछा किया तो आरोपियों ने कार से गैस सिलेंडर निकालकर थाना मोबाइल की गाड़ी के सामने फेंककर उसे अनियंत्रित करने का भी प्रयास किया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर ने बताया कि रुनाहा गांव में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ब्रांच सड़क किनारे है। ब्रांच से ही लगा हुआ एटीएम है। इस एटीएम बूथ पर गार्ड रहता है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे गार्ड बूथ में ही बने अंदर वाले कमरे में रेस्ट कर रहा था। एटीएम का दरवाजा उसने अंदर से लॉक कर दिया। इसी बीच तीन बजे रात में एक युवक कार से उतरकर आया और गेट खटखटाया। मुंह पर कपड़ा बंधा होने के कारण युवक गार्ड ने गेट नहीं खोला। इसी बीच पुलिस की गाड़ी का हूटर बजा और उक्त युवक कार में बैठकर अपने साथी के साथ निकल गया।

गार्ड ने दी पुलिस को सूचना

गार्ड ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस वहां से तीन मिनट पहले ही गश्त कर निकली थी। लिहाजा तत्काल पुलिस की टीम पहुंच गई। गार्ड से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने कार का पीछा किया, लेकिन कार का ड्राइवर तेजी से कार चलाते हुए बैरसिया की तरफ भाग रहा था। लिहाजा बैरसिया पुलिस को वायरलेस सेट पर सूचना दी गई। बैरसिया पुलिस ने थाना मोबाइल की जीप कार के सामने लगाई तो कार के ड्राइवर ने कट मारते हुए साइड से कार निकाल ली।

महानीम चौराहा तक किया पीछा

बैरसिया पुलिस की टीम ने कार का महानीम चौराहा तक पीछा किया, लेकिन थाने की पुरानी गाड़ी इस बार फिर पीछे रह गई। पीछा करते समय एक बार थाने की गाड़ी कार से काफी करीब आ गई थी, लेकिन कार में बैठे युवक ने गाड़ी के सामने गैस सिलेंडर फेंककर उसे अनियंत्रित करने का प्रयास किया था।

जहरीले कीड़े के काटने से युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सूखी सेवनिया इलाके में रहने वाले एक युवक की किसी जहरीले कीड़े के काटने से मौत हो गई। अनुमान है कि उसे सांप ने डसा होगा। पुलिस के मुताबिक गोपाल सिंह (40) ग्राम बरखेड़ी अब्दुल्ला में रहता था और प्रायवेट काम करता था। पिछले दिनों उसे किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया था, जिससे पैर में सूजन आ गई थी। तकलीफ ज्यादा बढ़ने पर शुक्रवार की शाम को उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां शनिवार सुबह गोपाल की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजन को सौंप दी। मामले की जांच की जा रही है।

खंभे से टकराया तेज रफ्तार मिनी ट्रक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीला जमालपुरा इलाके में एक तेज रफ्तार मिनीट्रक खंभे से जाकर टकरा गया। इस हादसे में राहगीर बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार टीला जमालपुरा निवासी महेश शर्मा दुर्गा मंदिर के पास चाऊमीन की होटल चलाते हैं। 14 सितंबर की रात करीब सवा एक बजे वह होटल बंद कर घर जाने वाले थे, तभी शाहजहांनाबाद पानी की टंकी की तरफ से एक आईसर मिनीट्रक का चालक लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर लाया और दुर्गा मंदिर के खंभे से टकरा दिया। इस दौरान महेश और आसपास खड़े लोग ट्रक की चपेट में आने से बच गये। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ एक्सीडेंट और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है।

होटल के कमरे में चल रही थी जुएं की फड़, आधा दर्जन गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मंगलवारा पुलिस ने होटल शीतल पैलेस में दबिश देकर जुए की फड़ पर कार्रवाई की है। यहां होटल का कमरा लेकर जुआ खेल रहे आधा दर्जन जुआरियों को पुलिस ने दबोच लिया। जुआरियों से 6310 रुपए की नगदी और ताश की गड्डी बरामद की है। जुआरियों पर जुआ एक्ट की धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार रविवार शाम सूचना मिलीथी कि होटल शीतल पैलेस में जुए की फड़ बैठी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी करते हुए वहां से जुआ खेल रहे श्याम सिंह ठाकुर, कल्लू प्रजापति, दिनेश प्रजापति, हरिशंकर चौरसिया, दीपक कुमार, जितेंद्र और रिषी प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों से 6310 रुपए की नगदी और ताश की गड्डी भी बरामद की गई।

अज्ञात युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तलैया पुलिस ने केवड़े वाले बाग से एक अज्ञात युवक की शव बरामद किया है। मृतक के गले और पेट के पास धारदार हथियार के चोट के निशान मिले हैं। चोट से अनुमान लगाया जा रहा है कि उसकी हत्या की गई है। हालांकि पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पीएम रिपोर्ट में ही मौत के सही कारण पता चल सकेंगे। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे सूचना मिली कि केवड़े वाले बाग में एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची तो पत्ती बाजार के पास दीवार किनारे रखी फर्सियों पर पड़ी युवक की लाश नजर आई। मृतक गले और पेट के नीचे गंभीर चोट थी, जिससे खून निकला था। घटनास्थल पर किसी तरह के संघर्ष के निशान या खून नहीं मिला। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष बताई गई है। उसके दाहिने हाथ पर हिंदी में राजकुमार और जय श्री महाकाल गुदा हुआ है।

चाचा का इंतजार कर रहे युवक को बाइक ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा इलाके में सड़क किनारे खड़े होकर चाचा के आने का इंतजार कर रहे एक युवक को तेज रफ्तार बाइक चालक ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक चंद्रशेखर पाटीदार (38) ग्राम परवलिया सड़क में रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। शुक्रवार की शाम करीब सात बजे उनका भतीजा ऋषभ पाटीदार (18) अलार्क बिल्डिंग बस स्टाप के पास खड़े होकर उनका इंतजार कर रहा था। इसी बीच चंद्रशेखर भतीजे के पास पहुंचे। वह उसे अपनी बाइक पर बिठाते उसके पहले ही लालघाटी की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने भतीजे ऋषभ को टक्कर मार दी और भाग निकला। टक्कर लगने से ऋषभ सिर और हाथ-पैरों में गंभीर चोट आई और वह बेहोश हो गया। चंद्रशेखर भतीजे को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे और उसके बाद चिरायु अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया। उसके बाद थाने जाकर टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया। पुलिस बाइक चालक की तलाश कर रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया पौधारोपण

भोपाल,दोपहर मेट्रो। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान स्मार्ट पार्क में पौधारोपण किया।

ज्वेलरी शॉप से 9.66 लाख का सोना चोरी करने वाला नौकर गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोतवाली पुलिस ने एक ज्वैलर्स की दुकान पर काम करने वाले नौकर को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी नौकर के पास से 9.66 लाख रुपए का 193 ग्राम सोना बरामद किया। दुकान संचालक ने उक्त सोना उसे टंच कराने के लिए दिया था, जिसे नौकर ने चोरी कर लिया था। पुलिस के अनुसार फरियादी प्रशांत मंगल की सराफा बाजार में मंगल ज्वैलर्स के नाम से सोने-चांदी की दुकान है। बीती 11 सितंबर को उन्होंने अपने नौकर लक्ष्य साहू को 193 ग्राम सोना देकर टेस्टिंग लैब में टंच कराने के लिए भेजा था। लक्ष्य उक्त सोना लेकर फरार हो गया। प्रशांत ने लक्ष्य के खिलाफ कोतवाली थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस टीम ने आरोपी लक्ष्य साहू पुत्र मुकेश साहू (20) निवासी छत्रपति स्कूल के पीछे शिवनगर छोला मंदिर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी से चुराया गया सोना, इंडियन ओवरसीज बैंक के सामने खाली प्लाट मारवाडी रोड से बरामद किया गया।

बैरसिया पुलिस ने जब्त की पांच लीटर कच्ची शराब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से पांच लीटर कच्ची शराब जब्त की है। देहात की गुनगा पुलिस ने भी एक शराब तस्कर से बीस क्वार्टर देशी शराब जब्त की। पुलिस ने दोनों शराब तस्करों पर आबकारी एक्ट की धाराओं में कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि दशहरा मैदान के पास एक संदिग्ध शराब बेचने के लिए पहुंचा है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करते हुए संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसकी पहचान बिचोली बिजौरी (50) निवासी बैरसिया के रूप में की गई। पुलिस ने आरोपी से पांच लीटरकर कच्ची शराब जब्त कर ली है। इसी प्रकार गुनगा पुलिस ने कलारा रोड से बलदेव मीना को गिरफ्तार कर उसके पास से बीस क्वार्टर देशी शराब जब्त की। जब्त शराब की कीमत 1400 रुपए बताई जा रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022